@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 21 जुलाई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 257 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जेपी नड्डा से मिला सीपीजी प्रतिनिधिमंडल

ज्ञापन सौंपा

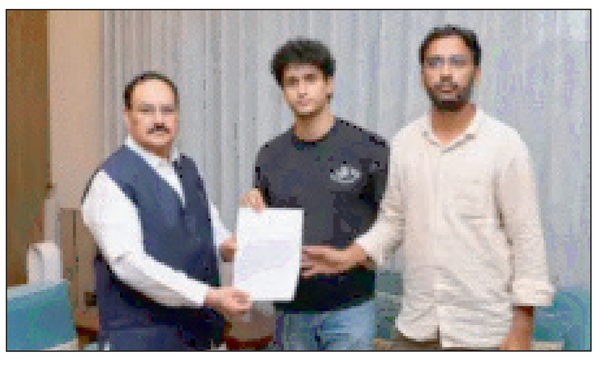

एजेंसी
नई दिल्ली। सीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी. नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें अपना एक ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने ट्वीट किया कि प्रदर्शनकारियों ने सरकार से बातचीत का प्रस्ताव दिया।

सुबह 11:50 बजे से चर्चा जारी थी। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। प्रदर्शनकारियों ने शाम 4 बजे लिखित ज्ञापन सौंपा। जेपी नड्डा ने उनसे धरना खत्म कर सामान्य स्थिति बहाल करने में सहयोग का अनुरोध किया। सौरव दास ने लिखा कि उन्होंने अपनी मांगें केंद्रीय मंत्री के सामने रखीं। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग भी शामिल है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया है कि वह इस मुद्दे पर उचित स्तर पर चर्चा करेंगे।

सरकार के साथ बातचीत तक दीपके ने विरोध मार्च रोका

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल के सरकार के साथ बातचीत के लिए जाने के बाद अपने मार्च को अस्थायी रूप से रोक दिया है। संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की कि बातचीत जारी रहने तक मार्च स्थगित रहेगा।

पुलिस का दावा- प्रदर्शनकारियों ने पत्थर फेंके

पार्लियामेंट स्ट्रीट के पास प्रदर्शनकारियों के साथ हुई झड़प के दौरान दिल्ली पुलिस का एक सब-इंस्पेक्टर घायल हो गया है। घायल सब-इंस्पेक्टर ने बताया कि वे बैरिकेड्स के पास तैनात थे, तभी प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव किया गया, जिसमें वे चोटिल हो गए।

सरकार युवाओं को सुनने के बजाय उन पर लाठीचार्ज करवा रही: केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जंतर-मंतर पर देश का सारा युवा लाखों की संख्या में जमा हो गया है। सरकार उनकी बात सुनने की बजाय उनपे लाठी

चार्ज करवा रही है। ये ठीक नहीं है। मैं सरकार से अपील करता हूं कि ये हमारे ही देश के बच्चे हैं जो न्याय मांगने सड़कों पर उतरे हैं। अहंकार छोड़िये और इनकी बात सुनिए। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शनकारियों के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, मानो वे किसी दुश्मन देश के नागरिक हों। उनके खिलाफ लाठीचार्ज किया जा रहा है और आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं।'

मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामें के चलते कार्यवाही रही प्रभावित

एजेंसी
नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का पहला दिन सोमवार को विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, नीट एवं अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुद्दे समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। अंततः दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इसी बीच लोकसभा में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने संबंधी 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया गया। वहीं राज्यसभा में 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान के समान सम्मान देने से संबंधित विधेयक राज्यसभा में पेश नहीं हो सका।संसद परिसर के बाहर भी विभिन्न संगठनों के प्रदर्शन के चलते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और संसद भवन की ओर आने-जाने वाले मार्गों पर आवाजाही प्रभावित हुई। लोकसभा की कार्यवाही प्रारंभ होते ही अध्यक्ष ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी सहित छह पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर तीन बार थोड़े अंतराल के लिए स्थगित होने के बाद तीन बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। इसी दौरान केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी संशोधन विधेयक सदन में प्रस्तुत किया।

त्रिपुरा के डीजीपी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

एजेंसी
अगरतला। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ की सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में उनके कार्यालय कक्ष से बरामद किया गया। पुलिस प्रारंभिक तौर पर मामले को आत्महत्या की आशंका से जोड़कर जांच कर रही है, हालांकि मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस

से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान डीजीपी अनुराग धनखड़ को उनके कार्यालय कक्ष में फंदे से लटका हुआ पाया। इसकी सूचना

अनुराग धनखड़ ने 2025 में उन्हें त्रिपुरा का पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था

तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद पुलिस मुख्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही प्रशासनिक मजिस्ट्रेट, फोरेंसिक टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अगरतला स्थित गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

राज्यसभा में दिवंगत सदस्यों और कतर के पूर्व अमीर को श्रद्धांजलि दी गयी

एजेंसी
नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को सदन के दिवंगत सदस्यों और कतर के पूर्व अमीर को श्रद्धाजंलि दी गयी। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने पूर्व सदस्य बलबीर पुंज, स्वपन साधन बोस (टूटू बोस), रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। राज्यसभा सभापति ने कहा कि बलबीर पुंज एक प्रख्यात पत्रकार, लेखक और चिंतक थे, जबकि स्वपन साधन बोस ने भारतीय फुटबॉल और खेल प्रशासन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रंगासायी रामकृष्ण को एक समर्पित लोकसेवक और कुशल प्रशासक के रूप में याद किया गया, वहीं एच. हनुमंथप्पा ने ग्रामीण विकास, सिंचाई, किसानों के कल्याण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। सभापति ने कहा कि इन सभी के निधन से देश ने उत्कृष्ट सांसदों और जनसेवकों को खो दिया है। सभापति ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शेख हमद ने आधुनिक कतर की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत-कतर संबंधों को मजबूत बनाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्रद्धांजलि के बाद सभापति के अनुरोध पर सभी सदस्यों ने अपने स्थान पर खड़े होकर दिवंगत आत्माओं की स्मृति में मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यसभा के नवनिर्वाचित 9 सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्यसभा के 9 निर्वाचित सदस्यों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गयी। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों में गुजरात से भाजपा के मुकेशभाई जे. राठवा, कर्नाटक से कांग्रेस के पवन खेड़ा, मध्य प्रदेश से भाजपा के महेश केवट, मेघालय से नेशनल पीपुल्स पार्टी के जेम्स पांगसांग कोंगकल संगमा, मिजोरम से खियांगते ललतलुआगकिमा, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया और पश्चिम बंगाल से भाजपा के प्रकाश चिक बराइक, सुष्मिता देव एवं सुखेंदु शेखर राय शामिल हैं।

अभिषेक बनर्जी को इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति नहीं, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

कोलकाता । कलकत्ता हाईकोर्ट की सिंगल-जज बेंच ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले नफरत फैलाने वाले भाषण देने के आरोप में बनर्जी के खिलाफ चल रहे एक मामले की सुनवाई के दौरान सांसद के वकील ने अपने क्लाइंट को आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने की अपील की। हालांकि, मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने विदेश यात्रा की अपील को खारिज कर दिया। इसके बजाय जस्टिस भट्टाचार्य ने अभिषेक बनर्जी को सलाह दी कि वे पहले कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के विशेषज्ञों से सलाह लें। जस्टिस भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि अदालत इस मामले में आगे का फैसला एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट देखने के बाद ही लेगी। जब अभिषेक बनर्जी के वकील ने अपने क्लाइंट के आंखों के इलाज के लिए विदेश यात्रा की अनुमति की अपील की, तो जस्टिस भट्टाचार्य ने सबसे पहले यह पूछा कि क्या डायमंड हार्बर के सांसद ने किसी नेत्र रोग विशेषज्ञ से सलाह ली है। इसके जवाब में अभिषेक के वकील ने अदालत को बताया कि उनके क्लाइंट का पिछले दस सालों से अमेरिका में आंखों का इलाज चल रहा है। राज्य सरकार के वकील और राज्य के अतिरिक्त एडवोकेट जनरल राजदीप मजूमदार ने अभिषेक बनर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति देने का जोरदार विरोध किया।

● बाराबंकी से सीएम योगी का विपक्ष पर बड़ा हमला, बोले-

सनातन सुरक्षित रहेगा तो देश सुरक्षित रहेगा

'सनातन की सुदृढ़ नींव पर ही भारत का उज्वल भविष्य टिका है। सनातन सुरक्षित रहेगा तो देश सुरक्षित रहेगा।'

एजेंसी
बाराबंकी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी में 542 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 82 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस, पर कई समसामयिक मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने सनातन, सांस्कृतिक विरासत, कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्थलों के विकास, रक्षा उत्पादन और पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों को लेकर विपक्ष को घेरा। साथ ही लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोधेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन कर उन्हें आत्मिक आनंद की अनुभूति हुई। बाराबंकी की पहचान भगवान

लोधेश्वर महादेव, पारिजात वृक्ष और हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू जैसी ऐतिहासिक धरोहरों से है, लेकिन आजादी के बाद लंबे समय तक इन विरासतों की उपेक्षा की गई। सीएम योगी ने कहा कि आजादी की रोशनी लोधेश्वर महादेव मंदिर तक नहीं पहुंच सकी, जबकि उस दौर में कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल के लिए धन की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने घोषणा की कि भगवान लोधेश्वर महादेव मंदिर के भव्य कॉरिडोर के निर्माण के लिए सरकार ने धनराशि स्वीकृत कर दी है। उन्होंने कहा कि इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने पूर्व ओलंपियन और हॉकी के दिग्गज केडी सिंह बाबू का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान उनकी हवेली बिकने की नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हवेली को बिकने से बचाया, उसका भुगतान कराया और अब उनकी स्मृतियों को संरक्षित करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने पारिजात वृक्ष के संरक्षण को भी सरकार की प्राथमिकता बताया। सीएम योगी ने कहा कि भारत की विरासत और सनातन संस्कृति ही देश की असली पहचान है।

सरकारी स्कूलों के 882 छात्रों ने पास किया नीट एग्जाम, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने दी बधाई

कौमी पत्रिका
चंडीगढ़। पंजाब की सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को बड़ा बढ़ावा मिला है क्योंकि प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 882 छात्रों ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 पास कर ली है। नीट का पेपर लीक होने के कारण पहली परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इसके बाद देशभर में पुनः परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसके परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस संबंध में विवरण साझा करते हुए, पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने नीट परीक्षा पास करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए उनके चिकित्सा क्षेत्र में स्वर्णिम भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा, एक बार फिर, हमारे सरकारी स्कूलों के छात्रों ने साबित कर दिया है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कठोर परिश्रम से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इस साल हमारे 882 छात्रों ने नीट परीक्षा पास की है, जो शिक्षा क्रांति के प्रभाव और हमारे शिक्षकों के समर्पण को दर्शाता है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि साल 2026 में नीट परीक्षा पास करने वाले छात्रों की संख्या प्रदेश के सरकारी स्कूलों के

बढ़ते मानकों की स्पष्ट मिसाल है। साल 2024 में 437 छात्रों ने नीट परीक्षा पास की थी और साल 2025 में यह संख्या बढ़कर 847 हो गई थी। इस साल 882 छात्रों यह परीक्षा पास की है, जो वर्ष 2024 की तुलना में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को दर्शाती है। पेपर लीक और पुनः परीक्षा के कारण 2026 की परीक्षा में आई बाधा के बावजूद यह सफलता हासिल की गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की सार्वजनिक शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए हरजोत सिंह बैंस ने कहा, शिक्षा गरीबी को समाप्त करने और जीवन को नई दिशा देने का सबसे शक्तिशाली साधन है।

शेष पृष्ठ 3 पर

सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर वित्तीय अनियमितता मामले में यूपी सरकार से मांगा जवाब

● एसआईटी के पुनर्गठन के दिए निर्देश

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार को महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अदालत ने राज्य सरकार से कहा है कि वह इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) के पुनर्गठन के संबंध में आवश्यक निर्देश प्राप्त करे। मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस संवेदनशील मामले की जांच ऐसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में होनी चाहिए, जिसे वित्तीय अनियमितताओं और जटिल मामलों की जांच का पर्याप्त अनुभव हो। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निष्पक्ष और प्रभावी जांच सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी अधिकारी

की नियुक्ति आवश्यक है, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा सके और सच्चाई सामने आ सके। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने और स्ढ्ढञ्ज के पुनर्गठन पर उचित निर्णय लेने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई में राज्य सरकार से इस संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी जा सकती है।

युवाओं का साहस, परिश्रम विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के युवाओं के साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए सोमवार को एक संस्कृत सुभाषित साझा किया। उन्होंने कहा कि आज देश के युवा अपने साहस, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और अथक परिश्रम के बल पर ऐतिहासिक सफलताएं हासिल कर रहे हैं, जो विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रही हैं।
ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि
प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमनविचति चाप्रमत्तः।
दुःखं च काले सहते महात्मा धुरंधरस्तस्य जिताः सपत्नीः॥
अर्थात- जो महान व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी कभी विचलित नहीं होता, पूरी सावधानी और सजगता के साथ अपने कार्य में निरंतर जुटा रहता है तथा कठिन समय का धैर्यपूर्वक सामना करता है, उसके शत्रु पहले से ही पराजित माने जाते हैं।
प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के युवा अपने साहस, आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम के दम पर नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।

देश के 70फीसदी हिस्से में बादल छाए

- 25 जुलाई तक बारिश का अलर्ट
- यूपी में 40 मंदिर डूबे
- असम में बाढ़ से 5 की मौत

एजेंसी
नई दिल्ली। इसरो की सैटेलाइट तस्वीरों के मुताबिक देश के करीब 70फीसद हिस्से में मानसूनी बादल छाए हुए हैं। अगले 25 जुलाई तक उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत समेत देश के 60फीसद से ज्यादा हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना है। इस मानसून सीजन में देशभर में बारिश सामान्य से 24फीसद कम हुई है।

असम में लगातार बारिश के कारण सोमवार को बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई। राहत और बचाव कार्यों के लिए सेना तैनात की गई है। वहीं, कई इलाकों में रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ह्यस्ष्ठरू) के मुताबिक, बाढ़ से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है और 57,100 से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

इधर, यूपी में नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वाराणसी और प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में दशाश्वमेध से लेकर पंचगंगा घाट तक रत्नेश्वर महादेव मंदिर समेत 40 छोटे मंदिरों में पानी घुस गया है। वहीं, राजस्थान में मानसून पर ब्रेक लगने के बाद गर्मी बढ़ने लगी है। बीकानेर संभाग के तीन जिलों में रविवार को तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। राज्यभर में कहीं भी तेज बारिश नहीं हुई।

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी, 24 घंटे में तीन की मौत

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पिछले 24 घंटों में प्राकृतिक आपदाओं और सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मलबा, बोल्डर गिरने और जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-134) पालीगाड़ के पास मलबा आने के कारण अब भी बंद है।

लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होंगे एनएसए अजीत डोभाल

एजेंसी
पुणे । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष उन विशिष्ट हस्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने भारत के विकास और वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। इस वर्ष ट्रस्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में डोभाल की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना है। लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. रोहित तिलक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1983 में हुई थी।

तब से लेकर अब तक यह सम्मान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रदान किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग, अर्थशास्त्र, विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ट्रस्ट का उद्देश्य ऐसे व्यक्तित्वों के अनुभव और उपलब्धियों को समाज तथा नई पीढ़ी के सामने लाना है, ताकि उनसे प्रेरणा ली जा सके। डॉ. रोहित तिलक ने बताया कि इस वर्ष जब ट्रस्ट के सभी सदस्य पुरस्कार के लिए नाम पर विचार-विमर्श कर रहे थे, तब सर्वसम्मति से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का नाम सामने आया। उन्होंने कहा कि डोभाल ने अपने पूरे करियर में देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया है। बहुत कम उम्र में उन्होंने खुफिया तंत्र में अपनी सेवाएं शुरू कीं और कई चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपनी जान की परवाह किए बिना देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका

भारत ने जारी की एडवाइजरी कहा- तत्काल वापस आएं स्वदेश

ईरान और अमेरिका के बीच भयंकर युध्द की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच एक बार फिर भड़की युद्ध की आग ने पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा हालात को गंभीर बना दिया है। अमेरिका पिछले सप्ताह से लगातार ईरान पर हमलावर है, और जवाब में ईरान खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है, जिससे तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। इस बिगड़ती स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने अपने नागरिकों के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके साथ ही, फिलहाल ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों से भी जल्द से जल्द वहां से बाहर निकलने की अपील की गई है, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

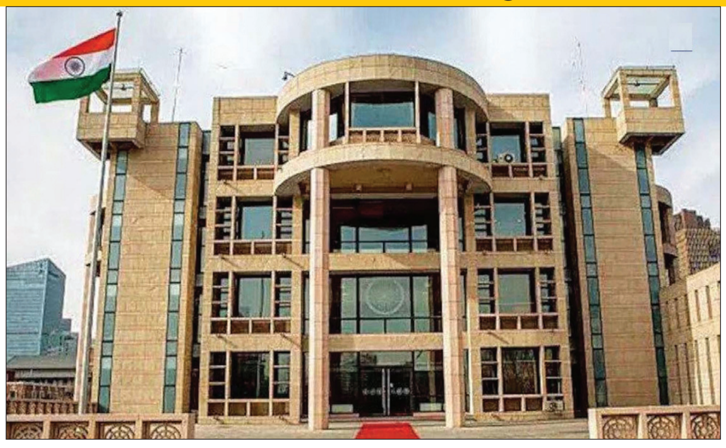

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी इस ट्रैवल एडवाइजरी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में पूरे ईरान में अस्थिरता और हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे माहौल में किसी भी उद्देश्य से यात्रा करना अत्यंत खतरनाक हो सकता है। भारतीय दूतावास ने किसी भी उद्देश्य से ईरान जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को साफ तौर पर हिदायत दी है कि जब तक सुरक्षा माहौल में उल्लेखनीय सुधार नहीं हो जाता, वे अपनी यात्रा स्थगित कर दें। वहीं, जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में मौजूद हैं, उनके लिए दूतावास ने विशेष अपील जारी करते हुए कहा है कि वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स का इस्तेमाल कर वहां से सुरक्षित बाहर निकलने की कोशिश करें।

इसके अलावा, दूतावास ने ऐसे भारतीय नागरिकों के लिए भी विस्तृत एडवाइजरी जारी की है जो अब भी ईरान में ही रुकने की योजना बना रहे हैं, या जिनके लिए मौजूदा परिस्थितियों में ईरान से निकलना संभव नहीं है। दूतावास ने ऐसे नागरिकों को अत्यधिक सतर्कता बरतने, पल-पल की खबरों पर बारीकी से नजर रखने और युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ईरान के दक्षिणी तट से पूरी तरह दूर रहने को कहा है। सभी नागरिकों से यह भी अपील की गई है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी किए जा रहे सभी सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में यह भी सलाह दी है कि सभी भारतीयों को भारतीय दूतावास के साथ अपना पंजीकरण कराना चाहिए। साथ ही, आगे के अपडेट्स और महत्वपूर्ण जानकारी के लिए दूतावास की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियमित रूप से देखने की सलाह दी गई है, जिससे वे किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क में रह सकें।

मुंबई में कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर आ गईं। सूचना मिलते ही रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, हेल्पलाइन नंबर 112 पर बृजेश कुमार नाम के एक व्यक्ति ने फोन कर दावा किया कि उसने तीन लोगों को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की योजना पर बातचीत करते हुए सुना है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए ठाणे पुलिस ने तत्काल मुंबई सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क किया। अलर्ट जारी होने के बाद जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और बम निरोधक दस्ते की संयुक्त टीमों ने दोनों रेलवे स्टेशनों पर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा व्यवस्था भी अस्थायी रूप से बढ़ा दी गई ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुंबई जीआरपी ने मीडिया को बताया कि विस्तृत तलाशी के बावजूद किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे फिलहाल यात्रियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद रेलवे स्टेशनों पर परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। पुलिस अब धमकी संबंधी कॉल करने वाले व्यक्ति का पता लगाने और उससे पूछताछ करने की प्रक्रिया में जुटी है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि सूचना वास्तविक थी या किसी ने अफवाह फैलाने के उद्देश्य से कॉल किया था। पुलिस ने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हाल के समय में सार्वजनिक स्थलों और रेलवे परिसरों को निशाना बनाकर मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रत्येक इनपुट को गंभीरता से ले रही हैं। यात्रियों से भी किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस या रेलवे सुरक्षा बल को देने की अपील की गई है।

वर्धा में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार अलसुबह कार और ट्रक की टक्कर में 05 लोगों की जान चली गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि ट्रक चालक की मौत इलाज के दौरान हुई। ट्रक का क्लीनर गंभीर रुप से घायल है जिसका इलाज अस्पताल में जारी है। हादसे की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया, कि दुर्घटना सोमवार तड़के करीब तीन बजे विरुल गांव के समीप हुई। पुलिस के मुताबिक एथनॉल ले जा रहा एक कंटेनर ट्रक एक्सप्रेसवे पर पलट गया था, जिसके चलते मुंबई- नागपुर मार्ग पर यातायात ठप हो गया। इसके कुछ देर बाद ही उसी स्थान पर एक ट्रक ने एक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मरने वाले लोगों में से चार वर्धा ज़िले के एक ही परिवार के सदस्य थे, जो कार में सवार थे। हादसे के बाद हाईवे सेफ्टी पेट्रोल (एचएसपी), वर्धा पुलिस, फायर ब्रिगेड और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम की टीमें घटना स्थल पर पहुंचीं और बचाव व राहत कार्य के साथ ही यातायात बहाली का कार्य शुरू किया। अधिकारियों का कहना था कि इथेनॉल कंटेनर होने के चलते अत्याधिक सावधानी बरती जा रही है। पुलिस के अनुसार हादसे के बाद ट्रक चालक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं ट्रक का क्लीनर गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने सभी मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मृतकों की पहचान तथा उनके परिजनों को सूचना देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की जांच भी की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार और टक्कर की तीव्रता को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। समृद्धि एक्सप्रेसवे पर यह हाल के समय में हुई गंभीर सड़क दुर्घटनाओं में से एक है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

सेल्फी खिंचवा रहे 6 युवकों को हाईवा ने रौंदा , 4 की मौत दो गंभीर रूप से घायल

नरसिंहपुर (एजेंसी)। नरसिंहपुर जिले में रविवार शाम जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर दर्दनाक सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, छह दोस्त तिनशीला वॉटरफॉल से पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। इंदिरा नगर के पास हाईवे किनारे सेल्फी ले रहे थे। तभी तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें कुचल दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। मृतकों में राजेंद्र पटेल, वीरेंद्र लोधी (20), रामपाल लोधी (21) और जयपाल लोधी (30) शामिल हैं। घायल आकाश लोधी (24) और नीरज लोधी (25) का अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार हाईवा चालक की तलाश शुरू कर दी है।

सड़क पर घायल पड़ी थी युवती, केंद्रीय मंत्री ने अपनी गाड़ी से पहुंचवाया अस्पताल

जालंधर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने पंजाब दौरे में इंसानियत की मिसाल पेश की। अमृतसर दौरे के बाद जब वह जालंधर स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल डेरा सचखंड बल्लां में माथा टेकने पहुंचे, तभी रास्ते में सड़क हादसे में घायल युवती को देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवा दिया। जानकारी के मुताबिक चिराग पासवान ने घायल युवती की मदद करते हुए उसे तुरंत अपनी गाड़ी से अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज शुरु हो गया। उनके इस मानवीय कदम की हर तरफ तारीफ हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान डेरा सचखंड बल्लां में संत निरंजन दास का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पिता रामविलास पासवान के सपने को पूरा करने की बात भी दोहराई। उन्होंने संकेत दिए कि उनकी पार्टी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करेगी और आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी करेगी।

अभिषेक बनर्जी का आरोप, तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने भाजपा के इशारे पर उनके अमतला स्थित कार्यालय से चोरी की है। यह बयान उनके कार्यालय भवन के हिस्से को जिला प्रशासन द्वारा बुलडोजर से गिरने के एक दिन बाद आया, जिस पर बिना मंजूरी के बने होने का आरोप था। हालांकि, घटना के तुरंत बाद कोलकाता हाईकोर्ट ने तोड़फोड़ पर रोक लगाकर अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर दावा किया कि पुलिसकर्मी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मिल उनके दफ्तर से लैपटॉप, प्रिंटर, कागजात, मेज, कुर्सियां और अन्य फर्नीचर से भरे बक्से ले जा रहे थे। उन्होंने इस घटनाक्रम को तोड़फोड़ नहीं, बल्कि वर्दी में चोरी करार दिया, जो हाईकोर्ट में मामला लंबित होने के बावजूद कानून का कोई सम्मान किए बिना की गई। टीएमसी सांसद ने पलटवार कर कहा कि अमतला का यह पार्टी कार्यालय खरीदी गई जमीन पर सभी आवश्यक मंजूरियों के साथ कानूनी तरीके से बनाया गया था। उन्होंने भाजपा का बुलडोजर मॉडल बताया, जो चुनाव से पहले उनकी अन्नपूर्णा भंडार योजना की जगह ले रहा है। अभिषेक ने कहा कि पार्टी इस मामले को कलकत्ता हाईकोर्ट ले जाएगी और जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश के ओएसडी को वीडियो भेजने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

लखनऊ के जवाहर भवन में लगी भीषण आग, कई गाड़ियां पहुंची

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के वीआईपी इलाके में स्थित जवाहर भवन में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आसमान में धुएं का गुब्बार छा गया। बताया जा रहा है कि आग चौथी मंजिल पर स्थित खाद्य एवं रसद विभाग के कार्यालय और कैंटीन में लगी है। सरकारी इमारत के ऊपरी हिस्से में आग लगने के बाद परिसर में हड़कंप मच गया। आग लगते ही कर्मचारी व लोग सुरक्षित बाहर निकल आए। आग बुझाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

विजय सरकार का फैसला, सभी सरकारी ऑफिसों में लगेंगे भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड

–बोर्ड पर स्पष्ट लिखा होगा– रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी सूचना बोर्ड प्रमुख स्थानों पर लगाने का निर्देश दिया है, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है। यह निर्देश मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के जरिए जारी किया गया।

आदेश के मुताबिक प्रत्येक सरकारी कार्यालय में तमिल और अंग्रेजी भाषा में द्विभाषी सूचना बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां आम जनता उन्हें आसानी से देख सके। विजय सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे यही भ्रष्टाचार विरोधी संदेश अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर भी प्रकाशित करें। इसके साथ ही वेबसाइट पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के पोर्टल का सीधा लिंक भी उपलब्ध कराया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आदेश में कहा गया है कि 2006 से इस संबंध में कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अनेक कार्यालयों ने इनका पूरी तरह पालन नहीं किया गया। कई जगहों पर भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड लगाए ही नहीं गए, जबकि कुछ कार्यालयों में इन्हें ऐसी जगह लगाया है जहां आने वाले लोगों की नजर नहीं पड़ती थी। सरकार का कहना है कि नया आदेश राज्य के सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में इस व्यवस्था को एक समान तरीके से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इन सूचना बोर्डों पर रिश्वत देना और रिश्वत लेना अपराध है संदेश के अलावा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय का पता, टेलीफोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, फैक्स नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी प्रदर्शित की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन जानकारियों तक लोगों की आसान पहुंच होने से वे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की शिकायत बिना किसी कठिनाई के दर्ज करा सकेंगे। सभी विभागों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले वैधानिक बोर्डों, निगमों, स्थानीय निकायों, सरकारी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी इसी प्रकार के निर्देश जारी करने को कहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों को बिना किसी देरी के लागू करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सरकार ने विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी कार्यालयों में आदेशों के पालन की पुष्टि करने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को अनुपालन रिपोर्ट पेश करें। यह नई पहल राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9498180936 शुरू किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है।

कौशल ही विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति: मुख्यमंत्री योगी

– विश्व युवा कौशल दिवस पर योगी की पाती में आह्वान : हर युवा एक कौशल सीखे, बने नौकरी का प्रदाता

लखनऊ (एजेंसी)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को एक विशेष संदेश दिया है। अपनी योगी की पाती के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कौशल विकास को विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे कम से कम एक कौशल अवश्य सीखें। उनका मानना है कि यह हुनर केवल नौकरी दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि युवाओं को स्वयं रोजगार के अवसर पैदा करने वाला भी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अनेक युवा साथियों से मिलने और उनकी सफलता की प्रेरक कहानियों से उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला उत्तर प्रदेश विकसित भारत और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस विश्वास का आधार कर्म और कौशल को सर्वोच्च स्थान

देने वाली सनातन संस्कृति को बताया, जहां भगवान श्रीराम के जीवन और भगवान श्रीकृष्ण के गीता उपदेश से लेकर ज्ञान और कार्यकुशलता की परंपरा समाज को आगे बढ़ाती रही है। राज्य सरकार द्वारा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, वहीं कौशल सखी और कौशल साथी जैसी नई पहलें भी शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का हब बन रहा है। एक जनपद-एक उत्पाद योजना ने पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है, जबकि टेक युवा-समर्थ युवा पहल नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकों से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पॉलीटेक्निक संस्थानों में रोजगारपरक शिक्षा और फिनिशिंग स्कूल जैसी योजनाएं युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ किसी एक कौशल में दक्षता हासिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कौशल उन्हें केवल रोजगार दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बनाएगा। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र में करोड़ों युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का प्रमाण बताया। अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कौशल विकास योजनाओं का लाभ उठाने और अन्य युवाओं को भी इससे जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा, कौशल ही आत्मनिर्भरता का आधार, स्वाभिमान का संबल और विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है।

कांग्रेस–सपा ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया

–जनसभा में बार–बार माइक बंद होने पर ओवैसी बोले– साउंड वाला भी बीजेपी की बी टीम

सहारनपुर(एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में एआईएमआईएम की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने संभल विवाद, मस्जिदों पर कार्रवाई, अयोध्या में अनियमितताओं और युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे उठाते हुए राजनीतिक नेतृत्व मजबूत करने की अपील की। इस बीच उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने जनसभा में जुटी भारी भीड़ के बीच कहा कि लोग अब सिर्फ दरी बिछाने का काम नहीं करेंगे, बल्कि अपना राजनीतिक नेतृत्व खुद तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संविधान के दायरे में रहकर गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया है। बीजेपी को हराने के लिए ओवैसी ने चुनाव से पहले अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई। भाषण में बार-बार माइक बंद होने पर उन्होंने साउंड सिस्टम वाले को बीजेपी की बी टीम और सपा का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि आवाज दबाने की कोशिशों के बावजूद वह पीछे नहीं हटेंगे और जल्द ही दोबारा सहारनपुर की जनता के बीच आएंगे। इस कार्यक्रम में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोग पेड़ों, पोलों पर चढ़कर ओवैसी को सुनते नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के संभल में दिए गए बयान पर ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में एक ही वर्ग को तवज्जो मिल रही है। उन्होंने अयोध्या में हुए राममंदिर चढ़ावा चोरी और अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरा और सवाल उठाया कि सीएम योगी के नाक के नीचे इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो गई। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए-नए विवाद खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि सच बोलने की अपनी आदत को वह हमेशा बरकरार रखेंगे। ओवैसी ने सहारनपुर मस्जिद विवाद, संभल और रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सहारनपुर में सालों पुरानी मस्जिद को भारी जुर्माना और नोटिस दिया जा रहा है। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई को उन्होंने शिक्षा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यूपी में पहले से ही केवल चार फीसदी मुस्लिम ग्रेजुएट हैं, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना गलत है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले 12 सालों में लगातार हो रहे पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज क्यों? शशि थरूर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुए पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो लाठीचार्ज की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हुए हंगामे पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में संसद जनता की आवाज उठाने का मंच है और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

शशि थरूर ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन पर बल प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनके अनुसार, लाठीचार्ज अहिंसा नहीं बल्कि हिंसा का रूप है और ऐसे कदम के पीछे का तर्क समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार है और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने के सवाल पर थरूर ने कहा कि संसद देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का सर्वोच्च मंच है। इस बार विपक्ष शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक, छात्रों की समस्याओं और अन्य जनहित के विषयों पर चर्चा चाहता था। उनका कहना था कि इन मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं मिलने के कारण सदन में गतिरोध की स्थिति बनी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है और वह अंततः अपने विधेयक पारित करा सकती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिलना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संसद केवल सरकार द्वारा विधेयक पेश कर उन्हें पारित कराने का मंच नहीं हो सकती, बल्कि यह वह स्थान होना चाहिए जहां विभिन्न विचारों को सुना जाए, उन पर खुली चर्चा हो और फिर निर्णय लिया जाए।

शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद के सुचारु संचालन के लिए विपक्ष से सहयोग मांगा था। उन्होंने कहा कि सहयोग दोनों तरफ से होना चाहिए। यदि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, तो विपक्ष भी सदन के सुचारु संचालन में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संसद का उद्देश्य संवाद, बहस और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की ही अनुमति नहीं होगी, तो संसद की मूल भूमिका प्रभावित होगी। थरूर ने उम्मीद जताई कि सरकार और विपक्ष के बीच संवाद के जरिए गतिरोध समाप्त होगा और संसद में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सकेगी।

भाजपा से दोबारा चुनाव लड़ने की गलती नहीं करुंगी : किरण बेदी

–कानपुर में किरण बेदी का बड़ा बया

कानपुर (एजेंसी)। भारत की पहली महिला आईपीएस और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी रविवार को कानपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि वह भाजपा से चुनाव लड़ने की गलती दोबारा नहीं कर सकतीं। कानपुर रोटेरियन के एक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद बेदी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। हालांकि, जब उनसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक के मौजूदा आंदोलन को लेकर सवाल पूछे गए, तो उन्होंने टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। बेदी ने कहा कि वह इन लोगों को फॉलो ही नहीं करतीं, और इसलिए इनको लेकर नो कमेंट।

किरण बेदी ने कानपुर की हवाई सेवा की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें लखनऊ तक फ्लाइट से आने के बाद जर्जर सड़कों से कार से कानपुर आना पड़ता था, लेकिन इस बार दिल्ली से कानपुर तक का सफर काफी अच्छा रहा, क्योंकि अब सीधी फ्लाइट उपलब्ध है। साइबर क्राइम जैसे बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इनसे बचा जा सकता है। उनका मानना है कि चोर का काम चोरी करना है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी देश के विकास में योगदान देने की अपनी

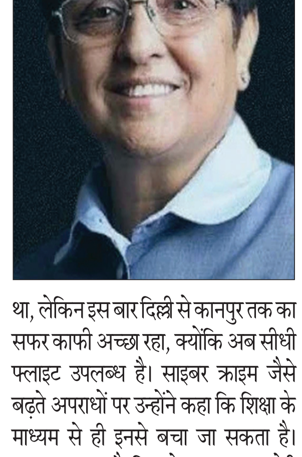

प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए किरण बेदी ने बताया कि उन्होंने अपने 77वें जन्मदिन पर भारत स्किल एक्सचेंज नाम का एक स्टार्टअप शुरू किया है। उनका उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास की आवश्यकता को पूरा करना है, जिसके लिए उन्होंने यह बीड़ा उठाया है।इससे पहले, किरण बेदी ने दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली करने के केंद्र की भाजपा सरकार के फैसले पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने उस आदेश के बारे में सुनकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे उन्हें कोई अपने ही घर से बेदखल कर रहा हो। एक इंटरव्यू में उन्होंने क्लब से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार बेदखली के आदेश के बारे में सुना तो उन्हें लगा जैसे उन्होंने अपना घर खो दिया हो। यह वह जगह थी जहां वह 14 साल की उम्र से टेनिस टूर्नामेंट खेलने अमृतसर से दिल्ली आया करती थीं। इन्हीं दौरों की वजह से उन्हें दिल्ली से प्यार हो गया और उन्होंने यहीं काम करने और रहने का सपना देखा था।

आज हमारे युवा धैर्य, आत्मविश्वास और परिश्रम से सफलता हासिल कर रहे: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया जिसमें लिखा कि आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥ भी साझा किया है, जिसका हिंदी में अर्थ है कि जो मनुष्य संकट के समय कभी विचलित नहीं होता, बल्कि धैर्य, कुशलता और सावधानी के साथ उससे बाहर निकलने का प्रयास करता है और समय आने पर दुखों को भी सहजता से सहन करता है, वह अंततः कभी पराजित नहीं होता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों पर भी विजय हासिल करता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने 17 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था- आज भारत को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिलने का सपना साकार होने जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास की दिशा में एक बड़ा दिन है। मैं इससे जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्रभूतं कार्यमल्पं वा यन्नरः कर्तुमिच्छति। सर्वारम्भेण तत् कार्यं सिंहादेकं प्रचक्षते।। भी साझा किया था। जिसका हिंदी अर्थ है कि चाहे कार्य बहुत बड़ा हो या छोटा- जिसे मनुष्य करना चाहता है, उस पूर्ण समर्थन या नए उत्साह के साथ करना चाहिए, यही एक गुण सिंह से सीखने योग्य है।

पीएम मोदी की ओर से 16 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर सुभाषित साझा किया गया था। उन्होंने लिखा था- महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर मेरी कामना है कि उनका आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। उनकी दिव्य कृपा से सभी देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने संस्कृत श्लोक, देवदेव जगन्नाथ सुरासुरनमस्कृत। पुण्यश्लोकाव्ययानन्त परमात्मन्नमोऽस्तु ते॥ शेयर किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि देवताओं के भी देव और संपूर्ण जगत के स्वामी भगवान जगन्नाथ की देवताओं से लेकर समस्त प्राणी श्रद्धापूर्वक उपासना करते हैं। उनका यश पवित्र एवं कल्याणकारी है। वे अविनाशी अनंत तथा समस्त प्राणियों के हृदय में विराजमान परमात्मा हैं। ऐसे भगवान जगन्नाथ को बार-बार नमस्कार है।

सोने-चांदी की ईंट वाले एआरटीओ को लेकर एक और नया खुलासा

लखनऊ। आय से अधिक संपत्ति के मामले में घिरे सेवानिवृत्त सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) ललित कुमार की जांच में नया खुलासा हुआ है। विजिलेंस की पड़ताल में लखनऊ के बक्शी का तालाब (बीकेटी) और मोहनलालगंज क्षेत्र में उनकी खरीदी करोड़ों रुपये की कृषि भूमि का पता चला है। अब जांच एजेंसी ने जमीन से जुड़े दस्तावेज जुटाकर खरीद के स्रोत, भुगतान के तरीके और वास्तविक स्वामित्व की गहन जांच शुरू कर दी है। वहीं, उनके पासपोर्ट जब्तीकरण की कार्रवाई भी शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, बीकेटी में बड़े पैमाने पर खरीदी गई कृषि भूमि की बाजार कीमत करोड़ों में है। जांच एजेंसी यह भी पता लगा रही है कि जमीन की खरीद सीधे ललित के नाम हुई या किसी अन्य व्यक्ति या रिश्तेदार के माध्यम से निवेश किया गया। जमीन खरीद में इस्तेमाल धन का स्रोत भी जांच के दायरे में है। इसके लिए, राजस्व और पंजीकरण विभाग के रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं। बीकेटी की जमीन के अलावा लखनऊ और अन्य जिलों में भी ललित से जुड़ी चल और अचल संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि सेवा अवधि के दौरान अर्जित आय के मुकाबले कितनी संपत्ति बनाई गई और उसमें वैध आय का कितना हिस्सा है। विजिलेंस की रिपोर्ट मिलने के बाद आयकर विभाग ने भी जांच तेज कर दी है। विभाग ललित के आयकर रिटर्न (आईटीआर), वेतन, घोषित संपत्तियों और अन्य आय स्रोतों का मिलान करेगा। यदि घोषित आय और बरामद संपत्तियों में अंतर मिलता है तो कर चोरी और अघोषित आय के मामले में अलग कार्रवाई की जाएगी। आय से अधिक संपत्ति के मामले में रिटायर्ड सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) ललित कुमार के लखनऊ के अलीगंज स्थित आवास पर विजिलेंस छापे में काली कमाई का खुलासा हुआ है। छापे में पैकेट में छिपाकर रखे 1.62 करोड़ रुपये नकद, करीब 20 करोड़ के सोने चांदी के 22 किलो बिस्किट व आभूषण, 13 करोड़ रुपये से अधिक की अचल संपत्तियों के दस्तावेज और करोड़ों के अन्य निवेश के साक्ष्य मिले। शुरुआती आकलन में बरामद संपत्तियों का कुल मूल्य करीब 35 करोड़ रुपये है। मूलरूप से रायबरेली के नूर मार्केट के रहने वाले आगरा के तत्कालीन एआरटीओ ललित वर्तमान में लखनऊ में रहते हैं। आईजी विजिलेंस मंजिल सैनी ने बताया कि ललित के खिलाफ परिवहन आयुक्त द्वारा वर्ष 2020 में की गई शिकायत के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) के कानपुर सेक्टर ने जांच की थी। जांच में ललित की आय सभी वैध स्रोतों से करीब 93 लाख रुपये की मिली थी जबकि संपत्तियों को खरीदने एवं भरण पोषण में 1.62 करोड़ रुपये खर्च करने की पुष्टि हुई थी। एसीओ ने 11 जून 2024 को कानपुर सेक्टर के थाने में ललित पर एफआईआर दर्ज की थी जिसकी विवेचना शासन ने विजिलेंस को सौंपी थी। विजिलेंस ने अदालत से सर्च वारंट लेकर मंगलवार को उनके अलीगंज स्थित चंद्रलोक कॉलोनी के आवास पर पुलिस बल की मौजूदगी में छानबीन की। छापे की कार्रवाई बुधवार सुबह पूरी हुई। डीजीपी राजीव कृष्ण ने टीम में शामिल अधिकारियों व कर्मचारियों को एक लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है। छापे में ललित के घर पर कई लॉकर व ज्वैलर्स द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली दो तिजोरियां मिली हैं जिसमें नकदी, सोने-चांदी के बिस्किट और जेवरात बरामद हुए। इसके अलावा टोयोटा इनोवा, हुंडई आई-20 कार, रिवॉल्वर, विभिन्न बैंकों, पोस्ट ऑफिस, म्यूचुअल फंड, फिक्स डिपॉजिट आदि में करीब एक करोड़ से भी अधिक के निवेश के सुबूत मिले।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्चों को कंझावलाली गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

सरकारी स्कूलों के 882 छात्रों ने पास किया नीट एग्जाम, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने दी बधाई

प्रथम पृष्ठ का शेष

इस वर्ष परीक्षा में आई बाधा के बावजूद, नीट में हमारे सरकारी स्कूल के छात्रों की सफलता इस बात का प्रमाण है कि हमारे बच्चे उचित सहायता और अनुकूल वातावरण के साथ क्या कुछ हासिल नहीं कर सकते। इस वर्ष नीट परीक्षा पास करने वालों में से लुधियाना जिले के स्कूल ऑफ एमिनेंस, सेखेवाल के विद्यार्थी प्रतीक कुमार की कहानी प्रदेश के शिक्षा सुधारों के व्यापक प्रभाव को उजागर करती है। 16,000 रुपये मासिक वेतन वाले एक निजी स्कूल शिक्षक के बेटे प्रतीक ने नीट–यूजी 2026 में 720 में से 594 अंकों के साथ 99.3 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। छात्र ने सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए पंजाब स्कूल शिक्षा विभाग के पेस कार्यक्रम के तहत निःशुल्क ऑनलाइन कक्षाओं और मॉक टेस्टों के माध्यम से परीक्षा की तैयारी की। प्रतीक एक ऑन्कोलॉजिस्ट बनकर कैंसर के रोगियों की सेवा करना चाहता है। उसकी उपलब्धि दर्शाती है कि सही दिशा व सहायता, समर्पण और कठोर परिश्रम से वित्तीय बाधाओं को पार किया जा सकता है। प्रतीक के पिता ने कहा, मैं हमेशा मानता था कि शिक्षा ही हमारे परिवार की किस्मत बदलने का एकमात्र जरिया है। पंजाब सरकार की निःशुल्क कोचिंग और मॉक टेस्टों ने प्रतीक को नई दिशा दी। आज, जब उसने नीट परीक्षा पास कर ली है, यह हमारे जीवन का सबसे गौरवपूर्ण और खुशनुमा दिन है। नीट परीक्षा में विद्यार्थियों की सफलता प्रगति की ओर बढ़ते प्रदेश के कदमों को दर्शाती है। इस वर्ष की शुरुआत में, नीति आयोग की शिक्षा गुणवत्ता रिपोर्ट 2026 में पंजाब ने स्कूल शिक्षा में केरल और दिल्ली को पीछे छोड़ते हुए भारत के सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले राज्य का दर्जा हासिल किया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मेंटरशिप और परीक्षा की तैयारी प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार कौशल की पहचान करने और उसे निखारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि हर बच्चे को अपने सपनों को साकार करने के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान की जाए।

निजी स्कूल की बस ने लॉ स्टूडेंट को रौंदा, दस मीटर तक घिसटता रहा

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक प्राइवेट स्कूल बस ने 24 साल के लॉ स्टूडेंट विनम्र कुमार को रौंद दिया। बस ड्राइवर के ब्रेक लगाने से पहले छात्र करीब 10 मीटर तक बस के नीचे घिसटता रहा। किसी के बस के नीचे फंसे होने को महसूस कर ड्राइवर ने गाड़ी रोकी तब देखा। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया। जहां उसकी हालत गंभीर है। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। आरोपी की पहचान 32 साल के विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है, जो कनॉट प्लेस के एक प्राइवेट स्कूल की बस चलाता है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार कोटला मुबारकपुर के रहने वाले विनम्र कुमार चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी में तीसरे साल के लॉ स्टूडेंट थे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम को दोपहर करीब 3ः30 बजे मोदी मिल फ्लाईओवर पर एक जानलेवा हादसे की सूचना मिली। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें एक बस और एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली। उन्हें बताया गया कि घायल छात्र को बस ड्राइवर एम्स ट्रॉमा सेंटर ले गया था। जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो उन्हें बताया गया कि युवक को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने विजेंद्र को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। विनम्र अपनी बहन को उसके ससुराल गढ़ी गांव छोड़ने गया था और मथुरा रोड की तरफ जा रहा था, तभी पीछे से बस ने उसे टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीड़ित ने हेलमेट पहना था। हादसे के बाद वह करीब 10 मीटर तक घिसटता रहा, जिसके बाद ड्राइवर को एहसास हुआ और उसने ब्रेक लगाए। ड्राइवर खुद पीड़ित को अस्पताल ले गया।

ट्रांसफार्मर से उतरे करंट ने ली महिला की जान, दो दिन बाद अमरनाथ यात्रा पर जाने वाला था पूरा परिवार

अलीगढ़। अलीगढ़ के थाना सिविल लाइन क्षेत्र के श्याम नगर में बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे एक 42 वर्षीय महिला की करंट लगने से मौत हो गई। सीओ सिविल लाइन सर्वम सिंह ने मृतका की पहचान श्याम नगर निवासी चाय विक्रेता बीनू शर्मा की पत्नी रजनी शर्मा के रूप में की है। यह हादसा ट्रांसफार्मर से उतरे करंट की चपेट में आने से हुआ। रजनी शर्मा रोज की तरह सुबह रेलवे कॉलोनी में गाय को रोटी देने गई थीं। वहां से लौटते समय ट्रांसफार्मर के पास सड़क पर जलभराव था। आशंका है कि ट्रांसफार्मर से करंट पानी में उतर गया था। जैसे ही रजनी वहां से गुजरीं, वह करंट की चपेट में आ गईं और मौके पर ही गिर पड़ीं। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। रजनी शर्मा अपने पीछे पति और तीन बच्चों का परिवार छोड़ गई हैं। उनकी बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। परिजनों ने बताया कि दो दिन बाद पूरा परिवार अमरनाथ यात्रा पर जाने वाला था। यात्रा की सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। इस हादसे के बाद घर की खुशियां मातम में बदल गईं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

NAME CHANGE
I MOHD SUBHAN S/0 MOHAMMAD SULTAN R/0 2706 MOHALLA NIYARIYAN AJMERI GATE DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO MOHAMMAD SUBHAN

NAME CHANGE
I, ROHATASH SHARMA S/O KISHAN SHARMA R/O Post-Sandhan, Sandhan, PO-Sandhan, Dist-Meerut, Uttar Pradesh-250401 have changed the of my minor son SUNNY aged 17 years and he shall hereafter be known as SHANI.

NAME CHANGE
I KADAM VIJAYA PANDHARINATH legally mother of Army no - 2812405L, Rank - Sep, Name - KADAM AJINKYA PANDHARINATH, Presently Residing, At - Nagatahne Post- Nagatahne, Teh - Satara, Dist - Satara, State- Maharashtra, Pin - 415519 have changed my name from KADAM VIJAYA PANDHARINATH to VIJAYA PANDHARINATH KADAM for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/02/1969 instead of my correct date of birth as 30/11/1972 Vide Affidavit dated 20/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I KIRAN ASHOK GAIKWAD legally wife of Army No - JC 462376 X, Rank - NB SUB, Name - Gaikwad Ashok Trimbak, Presently Residing At - Pimperkhed
Post- Pimperkhed, Teh - kannad, Dist - Aurangabad
State- Maharashtra
Pin - 431104 in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/06/1986 instead of my correct date of birth as 31/01/1986 Vide Affidavit dated 20/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SNEHA ASHOK GAIKWAD legally daughter of Army No - JC 462376 X, Rank - NB SUB, Name - Gaikwad Ashok Trimbak, Presently Residing At - Pimperkhed
Post- Pimperkhed, Teh - kannad, Dist - Aurangabad
State- Maharashtra
Pin - 431104 in my father service record my date of birth wrongly mentioned as 30/08/2005 instead of my correct date of birth as 30/06/2005 Vide Affidavit dated 20/07/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I KASABAI legally mother of Army No - JC 462376 X
Rank - NB Sub, Name - Gaikwad Ashok Trimbak, Presently Residing At - PIMPERKHED
POST - Pimperkhed, Teh kannad, Dist Aurangabad
State - Maharashtra
Pin - 431104 have changed my name from KASABAI to KASABAI TRIMBAK GAIKWAD for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 09/01/1951 instead of my correct date of birth as 1939 Vide Affidavit dated 20/07/2026 before Notary Delhi.

नाम परिवर्तन
मै क्रमांक- 2701704P हवल्दार पाटील विठ्ठल अंकुश, यूनिट 4 ग्रेनेडिअर्स पुत्र अंकुश पाटील निवासी गट नं. 1/1 प्लॉट नं. 06 ब्लॉक नं. 04 शालिनी नगर, पिंप्राळा, तहसील - जलगाव, जिला- जलगाव महाराष्ट्र, पिन-425001 यह घोषणा करता हूं। की मेरे सैन्य सेवा अभिलेखों में मेरी पत्नी का नाम उज्वला पाटील (UJJWALA PATIL) के स्थान पर सही नाम UJJWALA VITTHAL PATIL दर्ज किया जाये।

NAME CHANGE
I hitherto known as Sabita Devi W/o Nand Ram R/o B-28 Shastri Nagar , Bagwali Colony, Ghaziabad, PO: Kavi Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201002 have changed my name and shall hereafter be known as Babita Devi.

NAME CHANGE
I, hitherto Known as TILAK RAJ S/O R.D.SHARMA R/O 138, Near Jain Mandir, Lower Bazar, Modinagar, PO: Modi Nagar, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201204 have changed my name and shall hereafter be known as TILAK RAJ VATS.

NAME CHANGE
It is for general information that I RAJA RAM GAJAR S/O BADRI PRASAD GAJAR R/O FLAT NO. 2619 TOWER 3D 25 TH FLOOR SKARDI GREEN, PHASE 2 GOLF LINKS NH-24, GHAZIABAD PO-KAVI NAGAR, UTTAR PRADESH-201002, declare that name of my father has been wrongly written as BADRI PRASAD in my service book. The actual name of my father is BADRI PRASAD GAJAR which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Nandulal S/o Biraju Saw R/o House No-268, Sector-9, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as Nandlal Saw.

NAME CHANGE
I hitherto known as AMAN S/O Ravesh R/O VPO- Bhanera, Distt-Shamli, Pin-247771, Utter Pardesh have changed my name and shall here after be known as UMANG HUDDA.

NAME CHANGE
I Prashant Panwar S/O Narendra Panwar R/O VPO-Ailum, Mohalla-Hari Nagar,District- Shamli, Uttar Pardesh, Pin-247771 have changed my minor son Baby one of Sonia aged- 07 years and he shall here after be known as Priyanash Panwar.

Public Notice
It is for general information that I, SHABANA BANO FAROOQUI W/o JAVED AHMAD, R/o. New F-15, J.J.COLONY, Raghubir Nagar, Tagore Garden S.O, West Delhi-110027 declare that name of mine has been wrongly written as SHABANA BANO in my minor son's namely AARISH AHMAD, aged 13 years in her School Records. The actual name of mine is SHABANA BANO FAROOQUI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I GEETA W/0 SUSHIL KUMAR R/0 24,M.S BLOCK RANAJI ENCLAVE PART 3RD NAJAFGARH DELHI 110043 CHANGED MY NAME TO GITANJLI

NAME CHANGE
I, RISHI ANAND S/o RAVI KUMAR ANAND R/o Flat No-1603, Tower B, Platinum 321, Raj Nagar Extension, Po: Raj Nagar Extension, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed the name of my minor son SHIVANSH ANAND aged 14 years and he shall hereafter be known as SIVAANSH AANAND.

Public Notice
It is for general information that I, RASHEEDA D/O MOHD NAIMUL HASAN ANSARI W/O MOHD SAMEER ANSARI R/O B-42, FOURTH FLOOR, BACK SIDE, SHAHEEN BAGH, JAMIA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI-110025, declare that name of mine and my father's has been wrongly written as RASIDA KHATUN and MD NAMUL HASAN in my 10th & 12th Class Educational Documents. the actual name of mine and my father's are RASHEEDA and MOHD NAIMUL HASAN ANSARI which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, FEHMINA NADEEM KHAN D/O NADEEM KHAN R/O 4270/3 ANSARI ROAD GALI NO 3 DARYAGANJ DELHI 110002, CHANGED MY NAME TO FEHMINA KHAN.

NAME CHANGE
I, SAGAR SINGH S/O MADAN SINGH BISHT R/O 284/A-22 NEHRUGALI MANDAWALI FAZALPUR LAXMI NAGAR DELHI 110092, CHANGED MY NAME TO SAGAR SINGH BISHT.

NAME CHANGE
I satyanarayan goyal s/o dungar mal goyal r/o r-50 3rd floor inderpuri new delhi -110012 changed my name to satyanarayan aggarwal

NAME CHANGE
I MOHD ZAHID S/O MOHAMMAD YASIN QURESHI R/O H NO-49 GALI MASJID WALI CHHATTA LAL MIAN DARY GANJ DELHI-110002 have changed my name to MOHD ZAHID QURESHI for all future purpose.

Public Notice
I,Priya Sharma D/O Vijay Kumar. resident of House No- 494, Gali No-4 , adarshnagar, Near Nav jyoti School,Ballabgarh, Faridabad Haryana -121004 .do hereby undertaking that I Priya Sharma want to change my name to Piyush Sharma. And My Gender as Male. I, , Priya sharma henceforth Be known as Piyush Sharma S/O Vijay Kumar . The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I shall be personally responsible for the same, and the Department of Publication shall not be liable for any consequences arising therefrom.

(BEDAKHAL)
I, JAI PAL Son of Shri KHACHERU RAM declare as under that I disowned my son`s RISHABH from my all movable/immovable/Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at house no-45, BLOCK-14, KALYAN PURI, CHILLA SARODA KHADAR, NEW DELHI-110091.

NAME CHANGE
I, SAMARITY KUMARI daughter of No-15694620W Rank-HAV Name-SANDEEP KUMAR SUMAN residing at VILL-ORKITTA, PO-BASBITTA, TEHSIL-SHAMBHUGANJ, DIST-BAKA, BIHAR-813207, have changed my name from SAMARITY KUMARI to SMRITI SIKHA for all future purposes, Vide Affidavit dated 20/072026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto Known as JAGVATI S/O POORAN R/O Bhatjan, Bhatjan, Modinagar, Ghaziabad Uttar Pradesh-201204 have changed my name and shall hereafter be known as JAGGO.

NAME CHANGE
I, NAHEED RAUNAQ NISA R/O 235, GALI GARHAIYYA MATIA MAHAL, JAMA MASJID, DELHI-110006, Have Changed My Name To NAHID NISA.

NAME CHANGE
I, NASSER SIKANDER R/O 235, GALI GARHAIYYA MATIA MAHAL, JAMA MASJID, DELHI-110006, Have Changed My Name To NASIR AHMED.

NAME CHANGE
I, KM. TRIPTI W/o RAM KUMAR R/o RZ-212, Gali No.16, Near Tara Apartment, Tughlakabad Extension, Kalkaji, Delhi-110019 have changed my name to TRIPTI MISHRA.

NAME CHANGE
I, Udayvir Singh Pal, R/o A-27/13 C, Mata Mandir Gali No-4, Maujpur, North East Delhi, Delhi-110053, have changed the name of my minor son from KANISH PAL to KARTIKEYA PAL for all future purposes, vide Affidavit dated 20/07/2026 sworn before the Notary Public at Delhi. In all future dealings and documents, he should be recognized and addressed by his new name, KARTIKEYA PAL.

NAME CHANGE
I, Kulwant S/o Shri Hukam Chand, R/o A-444, Gali No.2, Krishna Basti, Nabi Karim, Swami Ram Tirth Nagar, S.O. Central Delhi, Delhi-110055 have changed my name from KULWANT to KULWANT KUMAR for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Shabnam Choudhary W/o Mr. Usman Choudhary is the owner and in possession of a Freehold Residential House of area measuring 50 Sq. yds., i.e., 41.805 Sq. Mtrs., total covered area 104.5 Sq. Yds., out of Khasra No. 632, situated Ali Prem Garden Village Pasonda Pargana Loni, Tehsil Loni, District Ghaziabad Uttar Pradesh. Our client acquired the said property by virtue of a Gift Deed Dated 26.05.2026, Vide Doc No. 7206, Book No.01, Vol No. 23757, on Page No. 21-40, on Dated 26.05.2026, SR. Sadar II Ghaziabad in the chain documents below mentioned document not available i.e., SMC of Late Mr. Islam died on 08.08.2025, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Rohini Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

सार्वजनिक सूचना
मैं मसूद पुत्र सईदुल हक़ निवासी जे 381, सुंदर नगरी दिल्ली 93 घोषणा करता हूँ कि पुराने कुछ दस्तावेज़ में मेरा नाम त्रुटि पूर्वक मसूद उल हक़ दर्ज है जबकि मेरा सही नाम मसूद है जो कि मेरे आधार कार्ड न 965809910810 में भी दर्ज है, भविष्य में मुझे मसूद के नाम से ही जाना पहचाना जाए।
हस्ता/-

NAME CHANGE
I, RANJANA BHADORIA wife of JC-736805P, Rank-NB/SUB, Name-DARMENDRA SINGH BHADOURIA residing at GAYATRI VIHAR COLONY, GALI NO-07, PINTO PARK MORAR, GWALIOR, MADHYA PRADESH-474006, have changed my name from RANJANA BHADORIA to RANJANA BHADOURIA for all future purposes vide Affidavit dated 20/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KORE TUKARAM father No-14667684F, Rank- HAV, Name- KORE SHIVARAJ TUKARAM, resident of VPO-TAVSHI GAD, TEHSIL-LOHARA, DIST- OSMANABAD, MAHARASHTRA- 413604, have changed my name KORE TUKARAM to TUKARAM SHYAMRAV KORE for all future purposes vide Affidavit Dated 20/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MD SOHAIL REHMAN S/0 MD SUKEN REHMAN R/O 721,PUNJABI BASTI, MILITARY ROAD,KS BUILDER ANAND PARBAT,PO:KAROL BAGH, DIST: CENTRAL Delhi 110005 Changed my name to SOHAIL REHMAN

NAME CHANGE
I, KORE LAXMIBAI mother of No-14667684F, Rank- HAV, Name- KORE SHIVARAJ TUKARAM, resident of VPO-TAVSHI GAD, TEHSIL- LOHARA, DIST- OSMANABAD, MAHARASHTRA- 413604, have changed my name KORE LAXMIBAI to LAXMI TUKARAM KORE for all future purposes vide Affidavit Dated 20/07/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, Insha D/o Mohammmad Manzoor, R/O House Number-300/2, Okhla Village, Jamia Nagar, South Delhi, Delhi-110025, declare that name of my father's has been wrongly mentioned as Manzoor in my Passport No-W5652158. The correct name of father's is Mohammmad Manzoor.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED, MR. DEEPAK JAIN AND MRS. VIMLA DEVI ARE OWNERS AND IN POSSESSION OF "ONE SHOP ON GROUND FLOOR WITHOUT ITS ROOF RIGHTS WHICH IS RIGHT HAND SIDE OF PROPERTY NO. C-318, ADMEASURING 22.57 SQ. METERS KHASRA NO. 374 SITUATED IN C-BLOCK, GALI NO. 14, BHAJANPURA, VILLAGE GHONDA GUJRAN KHADAR, ILLAQA SHAHDARA, DELHI-110053" AND ACQUIRED THE SAID SHOP VIDE SALE DEED DT. 20.05.2016 EXECUTED BY MR. MOHD. SHAHNAWAZ QURESHI AS GPA OF MRS. KISHWER BEGUM IN F/O MR. DEEPAK JAIN AND MRS. VIMLA DEVI (DOC. NO. 841, VOL. NO. 4749, PAGES 37-48 IN SRO-4-DELHI). NOW MR. DEEPAK JAIN AND MRS. VIMLA DEVI ARE GOING TO MORTGAGE THE SAID PROPERTY WITH PNB HOUSING FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST LOAN. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST FLOOR, E-BLOCK,
MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE
I Tajinder Singh Sabharwal , S/O Rattan Singh , R/O BE-156 Hari Nagar New Delhi —110064 I Have Changed My Name To Tajinder Singh For All Future Purpose

NAME CHANGE
I Pawan Singh Raparia, S/o Omprakash, House no 128, Gandhi Nagar, panchi road, ward No. 15, Ganaur, Sonipat, Haryana- 131101, I have changed my name to Pawan Singh

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, निखिल शर्मा, वाहन संख्या DLzSCS1047 (Hero HF100) का पंजीकृत मालिक हूँ। यह वाहन वर्तमान में मेरे साले, पंकज कुमार शर्मा (निवासी- लोनी, गाजियाबाद) के अवैध कब्जे और नियंत्रण में है। पंकज कुमार शर्मा ने समझौते का उल्लंघन किया है, वाहन वापस नहीं कर रहा है और अत्यधिक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर कई चालान पेंडिंग कर दिए हैं। इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से मैं घोषित करता हूँ कि इस वाहन से होने वाली किसी भी दुर्घटना, आपराधिक कृत्य या पेंडिंग/नए चालान के लिए मैं जिम्मेदार नहीं हूँ।
भविष्य में इस वाहन से संबंधित सभी प्रकार की कानूनी और व्यक्तिगत जिम्मेदारी पूर्ण रूप से केवल पंकज कुमार शर्मा की होगी।
दिनांक- 20 जुलाई, 2026
स्थान- दिल्ली
भवदीय- निखिल शर्मा
(पंजीकृत वाहन स्वामी)

PUBLIC NOTICE
Be it known to the public at large that my client Smt. Shivpati W/o Late Sunder Lal R/o A-64, Deep Vihar, Gali No.6, Vikas Nagar, West Delhi, Delhi-110059, has debarred, disowned and severed her relationship with her son Sh. Vishnu Pratap and daughter in law namely Rita Saroj W/o Sh. Vishnu Pratap, from all her movable and immovable properties due to their willful and disobedience behavior and they are not in the control of my client. If anybody deals with them, then he/she will do SO at & his/her own risks, costs consequences. My client shall not be responsible for their acts and omissions whatsoever in any manner in future.
VASHALI SINGHAL, ADVOCATE
LADIES BAR ROOM
LAWYERS CHAMBERS
DWARKA COURTS
COMPLEX,SEC-10, DWARKA
NEW DELHI-110075
MOB. NO.
9301266920,9643011653

NAME CHANGE
I, NARESH SAINI S/o RAMPAT R/o R – 98 , IInd Floor , Khirki Extension , PO : Malviya Nagar , Dist : South Delhi , Delhi , 110017 have Changed the name of my minor daughter PRIYANSHI SAINI aged 17 years and she shall hereafter be known as PRIYANSHI .

NAME CHANGE
I hitherto known as VANI JAIN alias VANI AGARWAL D/o RAMESH CHANDRA AGARWAL W/o AMIT JAIN R/o B C – 90 3rd Floor , West Shalimar Bagh , North West Delhi , Delhi – 110088 have changed my name and shall hereafter be known as VANI AGARWAL.

NAME CHANGE
I hitherto known as PARVEEN KUMAR S/o PITAM SINGH R/o H. No. - C - 1/288 , Yamuna Vihar , Delhi , Dist : North East , Delhi - 110053 have changed my name and shall hereafter be known as PRAVEEN KUMAR .

NAME CHANGE
I, AMAR KUMAR SHARMA S/o Niklu Thakur R/o H.No.117/D, Gali No.2, Bhagat Singh Colony, Ballabhgarh, Faridabad-121004, have changed my name to AMAR SHARMA permanently.

NAME CHANGE
I hitherto Known as PREM SHANKAR S/o RAJESHVER CHOUDHARY Residing at RZ G House No. 132 B, Nihal Vihar, Nangloi, West Delhi, Delhi - 110041 have changed my name and shall hereafter be known as PREM SHANKAR CHOUDHARY.

NAME CHANGE
I, GOVIND S/O KANWARPAL SINGH R/O H.NO-530, NARHERA(44), GURGAON, HARYANA-122503, HAVE CHANGED MY NAME TO GOVIND SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Pooja Kuamri, W/O Surjeet Kumar, R/O House No 977, 2nd Floor, Gram Sabha, Pooth Kalan, Delhi-110086 have changed my name to Pooja Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Divya Rameshbhai Rajpal, W/O Harshit Khattar, R/O House No- 5, Tarun Enclave, Parwana Road, Pitampura, Delhi- 110034 have changed my name to Divya Khattar for all future purposes.

NAME CHANGE
I NASHAT W/O SAMAD KAIFI R/O 1229/32 FARASH KHANA LAL KUAN DELHI 110006 have changed my name to NISHAT AFRIN Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I ZAKARIA S/O INAMULHAQ R/O H.NO 48 OLD BRIJ PURI KHUREJI KHAS KRISHNA NAGAR PARWANA ROAD DELHI-110051have changed my name to MOHD ZAKARIA Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I SURESH SANWARIA S/O KISHORI LAL R/O I-2-194 MADANGIR AMBEDKAR NAGAR NEW DELHI-110062 have changed my name to SURESH KUMAR Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, SIKANDER PRASAD Y Father of No-15694620W Rank-HAV Name- SANDEEP KUMAR SUMAN residing at VILL-ORKITTA, PO-BASBITTA, TEHSIL-SHAMBHUGANJ, DIST-KHESAR BAKA, BIHAR-813207, have changed my name from SIKANDER PRASAD Y to SIKANDAR YADAV for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1949 instead of my correct date of birth as 01/01/1950, Vide Affidavit dated 20/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR R/O 80, SECOND FLOOR, RISHABH VIHAR, KARKARDOOMA, SHAHDARA, DELHI-110092, Have Changed My Name To DEEPAK JAIN.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Vikas** is the owner of **House on land admeasuring 325 Sq. Yds. (10 Marla), vide Property ID No.7CVTE9L2, carved out of Khewat No.473, Khata No.664, Khasra No.221(1-13), situated in the revenue estate of Village Kharkhoda, Tehsil Kharkhoda, District Sonipat (Haryana);.** vide **Transfer Deed (within blood relation) dated 17.03.2023 which is duly registered vide Document No.4223, Book No.I, Volume No.137/2520, pages 185.75/77 to 79, at Sub-Registrar, Kharkhoda, on 17.03.2023 and** Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Limited (Formerly known as Shriram Housing Finance Limited).** That the Original Transfer Deed (within blood relation) dated 22.06.2016 executed by Mr. Mehar Singh S/o. Mr. Bharat Singh in favour of his grandsons Mr. Munish & Mr. Vikas in respect of Kabristan land admeasuring 325 Sq. Yds. (i.e. 10 Marla), carved out of Khasra No.221(1-13), which is duly registered vide Document No.721, Book No.I, Volume No.87/1879, pages 64/29 to 41, at Sub-Registrar, Kharkhoda, on 22.06.2016 is Lost/Misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I HADDER ALI S/O GULFAM R/O E-382 GALI NO-12 CHAND MASJID SHASTRI PARK DELHI 110053 have changed my name to HADDER for all future purpose.

NAME CHANGE
I MOHD GULFAM S/O ISMAIL R/O E-382 GALI NO-12 CHAND MASJID SHASTRI PARK DELHI 110053 have changed my name to GULFAM for all future purpose.

NAME CHANGE
I SYED MOHAMMED QASIM S/O MOHAMMAD HUSSAIN R/O 963/E TULSIPUR WASIYABAD ALLAHABAD PRAYAGRAJ UP-211003 have changed my name to SYED MOHAMMAD QUASIM JAFRI for all future purpose.

NAME CHANGE
I SAYARA BANO W/O ABDUL MOHSIN R/O 1229- 32,2 ND FLOOR, FARASH KHANA DELHI 110006 have changed my name to SHAIRA KHATOON Permanently for the all future purpose

NAME CHANGE
I, hitherto known as CHHIDANA PRADHAN W/O LATE GANGA DIN R/O 8/275, RAJENDRA NAGAR, SECTOR-3, LAJPAT NAGAR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201005 have changed my name and shall hereafter be known as CHHEDANA.

NAME CHANGE
I, PARDEEP KUMAR S/O CHANDER MOHAN MOHAN residing at H NO-2587, MANDIR WALI GALI, SHADIPUR MAIN BAZAR, WEST PATEL NAGAR, DELHI-110008. have changed my name to PARDEEP SACHDEVA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, NO-900017-N, Rank-JWO, Name-BIR BAHADUR SINGH residing at VILL-KOLKA, PO-GHANDHIR, DIST-BILASPUR, HIMACHAL PRADESH-174029 have changed my wife's name from JYOTI SINGH to JYOTI KUMARI for all future purposes vide Affidavit dated 20/07/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I,VIJAY KUMAR GUPTA S/o Mohinder Pal Gupta R/o Flat No.42, GH-17, Citizen Apartments, Sector-46, NHPC Colony, Faridabad-121010, Haryana, have changed my name to VIJAY GUPTA permanently.

NAME CHANGE
I,MANSI C/O RAM DHAR R/O 45 YMCA HANUMAN LANE NEAR 15 ARYA SMAMAJ MANDIR HANUMAN ROAD NEW DELHI 110001, CHANGED MY NAME TO MANSI DHAR.

NAME CHANGE
I, SANJU KUMAR S/O JEETA RAM R/O RAMANA RAMANI KARNAL HARYANA 132116, CHANGED MY NAME TO SANJEEV KUMAR.

NAME CHANGE
I, NARMAR DEVI mother of No-15693200K, Rank-HAV, Name-SANTOSH KUMAR residing at LODIPUR, CHANDMARI, PATNA, DANAPUR, BIHAR-801503 have changed my name from NARMAR DEVI to NIRMALA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 20/07/2026 before Notary Public, Delhi.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सशक्त शक्ति केंद्र से और सशक्त होगा संगठनः डा. अर्चना गुप्ता

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 377 मंडलों के बाद अब 4729 शक्ति केंद्रों को मजबूत बनाने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता ने 21 जुलाई को प्रदेश के सभी शक्ति केंद्रों पर एक साथ बैठक रखने के निर्देश दिए हैं। इन सभी बैठकों में विषय लेने के लिए जाने वाले वक्ताओं के नाम भी तय कर दिए गए हैं। खुद मुख्यमंत्री नायब सैनी पिंजौर में शक्ति केंद्र की बैठक लेंगे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता सोनीपत के राई शक्ति केंद्र और संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा गन्नौर शक्ति केंद्र पर मौजूद रहेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में पंचकूला जिले के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और यहीं से प्रदेश के बाकी सभी 25 जिलों के कार्यकतर्काओं के साथ वर्चुअली जूम के माध्यम से मीटिंग की। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जिलों के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि शक्ति केंद्रों का और अधिक मजबूत होना समय की मांग है, इसलिए सभी कार्यकर्ता सभी शक्ति केंद्रों को और अधिक मजबूत करने में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि सशक्त शक्ति केंद्र से संगठन और अधिक मजबूत होगा।

सड़क पर पंचर लगवाने के दौरान टक्कर लगने से दो की मौत

पानीपत। पानीपत के समालखा में मनाना फ्लाईओवर पर हुए एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। यह घटना पानीपत लेन पर तब हुई जब एक पिकअप ड्राइवर वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर पंचर लगवा रहा था। टक्कर मारने के बाद कार चालक मौके पर कार छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, यूपी नंबर की पिकअप गाड़ी का टायर पंचर हो गया था। ड्राइवर ने पंचर लगाने के लिए एक स्थानीय मिस्त्री को बुलाया था। इसी दौरान समालखा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने पिकअप के पास खड़े टेम्पो को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे पंचर लगा रहे मिस्त्री और पिकअप ड्राइवर चपेट में आ गए। हादसे में पिकअप चालक जावेद और पंचर मिस्त्री सुनील की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सुनील के तीन बच्चे हैं और वह पंचर लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे को सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने यातायात को सुचारु कराया और समालखा थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी।

हरियाणा में लोक अदालतें लगाकर निपटाए 9590 केस

चंडीगढ़। लोगों को सुलभ, किफायती और त्वरित न्याय दिलाने के लिए हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक सिबल ने एक अनूठी पहल की है। जिसके तहत 18 जुलाई को नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट' के तहत सभी जिलों में एक साथ विशेष लोक अदालतों का आयोजन किया गया, जिसमें 9,590 मामलों का निपटारा किया गया।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा यह विशेष पहल से विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने और वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को मजबूत करने के प्रति हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। इन समझौतों से लंबे समय से लंबित मामलों का त्वरित समाधान संभव हुआ, जिससे पक्षकारों को लंबी कानूनी लड़ाई से बचने, काफी समय और खर्च बचाने और आपसी सहमति से स्वीकार्य समाधानों के माध्यम से सौहार्दपूर्ण संबंध बहाल करने में मदद मिली। विशेष लोक अदालतों के दौरान 97,29,66,109 रुपये की राशि का निपटारा किया गया, जो विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान में लोक अदालत तंत्र की प्रभावशीलता को उजागर करता है।

नूंह पुलिस ने अवैध खनन में लगी छह ट्रैक्टर-ट्रॉलियां की जब्त

नूंह। नूंह जिले में अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एवीटी एवं माइनिंग स्टाफ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना पुनहाना क्षेत्र से अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त छह ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जांच के दौरान जब्त किए गए छह ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में से चार में अवैध रूप से अरावली क्षेत्र का पत्थर भरा हुआ मिला, जबकि दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में 20 एमएम जीरा रोड़ी लदी हुई थी। टीम ने संबंधित वाहन चालकों से खनिज सामग्री से जुड़े वैध दस्तावेज एवं बिल प्रस्तुत करने को कहा, लेकिन कोई भी चालक आवश्यक कागजात उपलब्ध नहीं करा सका। दस्तावेजों के अभाव और नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर सभी छह ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को मोटर वाहन अधिनियम के तहत इम्पाउंड कर थाना सिटी पुनहाना में खड़ा कराया गया। साथ ही पूरे मामले की सूचना सिविल माइनिंग विभाग को दे दी गई है, ताकि नियमानुसार आगे की कार्रवाई करते हुए वाहनों को सीज किया जा सके।

हरियाणा में राजस्व सेवाओं का डिजिटलीकरण

सीएम सैनी ने दिए समयबद्ध निपटान और 'एग्री स्टैक' पंजीकरण बढ़ाने के निर्देश

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी और वित्त आयुक्त डॉ.सुमिता मिश्रा के साथ सभी उपायुक्तों से की चर्चा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यप्रणाली में डिजिटल क्रांति लाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। चंडीगढ़ में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार राजस्व सेवाओं को पारदर्शी, प्रभावी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक सेवा निर्धारित समय सीमा के भीतर तकनीक आधारित प्रणाली से उपलब्ध कराई जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि विभाग ने 40.20 करोड़ से अधिक पुराने राजस्व अभिलेखों का डिजिटलीकरण पूरा कर लिया है। राज्य के 99 प्रतिशत गांवों के नक्शों की जियो-रेफरेंसिंग और 99.5 प्रतिशत डिजिटलीकृत रिकॉर्ड का सत्यापन पूरा हो चुका है। अब तक 6,761 गांवों में लगभग 25.16 लाख संपत्ति कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने भूमि पंजीकरण कार्यालयों को पेपरलेस बनाने के साथ-साथ नागरिकों के लिए वहां बेहतर वेटिंग रूम और 'क्यू मैनेजमेंट सिस्टम' लागू करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को कतारों में न लगना पड़े। मुख्यमंत्री ने राजस्व शिकायतों के निपटान के लिए डैशबोर्ड की समीक्षा करते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी अस्वीकृत आवेदन का स्पष्ट कारण दर्ज होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गलत प्रक्रिया या त्रुटि के कारण कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए साप्ताहिक समाधान शिविरों में तहसीलदारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने सिरसा जिले के त्वरित कार्य की सराहना करते हुए अन्य जिलों को भी इसी कार्यप्रणाली को अपनाने को कहा। मुख्यमंत्री ने किसानों के सशक्तिकरण के लिए 'एग्री स्टैक' किसान रजिस्ट्री पर विशेष जोर दिया। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि 15 अगस्त तक पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि करने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए।

यह पहल भविष्य की डिजिटल कृषि योजनाओं का लाभ सीधे किसानों तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने आयुष्मान भारत और चिरायु हरियाणा योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला उपायुक्तों को सरकारी अस्पतालों का नियमित औचक निरीक्षण करने और स्वास्थ्य सुविधाओं को निजी अस्पतालों के समकक्ष आधुनिक बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में स्वच्छता और मरीजों की देखभाल सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

भाजपा ने भारतीय संस्कृति और दिव्य परंपराओं को समर्पित भाव से आगे बढ़ाया : धनखड़

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय संस्कृति की यह दिव्य परंपरा हमें सेवा, समर्पण, सामाजिक समरसता तथा धर्म के प्रति अटूट आस्था का संदेश देती है। भाजपा राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने झज्जर में आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ जी की पावन रथ यात्रा में भागीदारी करते हुए ये उदगार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रभु श्री जगन्नाथ जी की कृपा से समस्त जनमानस सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण रहे, यही मंगल कामना है। झज्जर में भगवान श्री जगन्नाथ जी की पावन रथ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुई। रथ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के दर्शन किए तथा प्रदेश और देश की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने भगवान श्री जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर रथ यात्रा में सहभागिता निभाई और कहा

कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने, सेवा, सद्भाव और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को रथ यात्रा की शुभकामनाएँ देते हुए भगवान श्री जगन्नाथ से सभी के सुखद, स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की मंगलकामना की। रथ यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष विकास बाल्मीकि, वरिष्ठ भाजपा नेता संजय कबलाना, कप्तान बिरधाना, सरोज राठी तथा जिला मीडिया प्रभारी गीतांशु चावला सहित काफी संख्या श्रद्धालु रथ यात्रा में भागीदार बने। सभी नेताओं ने श्रद्धालुओं के साथ रथ यात्रा में शामिल होकर भगवान श्री जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया तथा समाज में एकता, भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया। रथ यात्रा के दौरान पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन, धार्मिक झांकियों और जय श्री जगन्नाथ के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ यात्रा में भाग लिया। पावन कार्यक्रम का समापन भगवान श्री जगन्नाथ की आरती एवं सभी श्रद्धालुओं के मंगलमय जीवन की प्रार्थना के साथ हुआ। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ ने पार्टी कार्यालय में झज्जर ज़िले की संगठनात्मक बैठक में उपस्थित रहकर संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर मंथन किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की वास्तविक शक्ति हैं। इसी भाव के साथ संगठन विस्तार एवं जनसेवा के संकल्प को और अधिक दृढ़ बनाने का अवसर प्राप्त हुआ है।

समाज व प्रकृति का कर्ज सेवा से ही उतरेगा, संसार में कुछ भी मुफ्त नहीं : अनिल विज

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि मानव की सहायता करना ही सेवा है। समाज सेवा हमारा लक्ष्य होना चाहिए और हमारा अम्बाला छावनी शहर समाज सेवा में नंबर एक होना चाहिए। विज ने कहा कि संसार में कुछ भी मुफ्त नहीं है, हमें कुछ देना भी पड़ता है, इसलिए समाज व प्रकृति का कर्ज सेवा से ही उतरेगा। विज अम्बाला छावनी स्थित अग्रवाल धर्मशाला में अग्रवाल फेलोशिप क्लब द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में बतौर मुख्यतिथि बोल रहे थे। *विज ने अपने स्वैच्छिक कोष से दस लाख रुपए देने की घोषणा की ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने आयोजित किए गए रक्तदान शिविर की सराहना करते हुए कहा कि अग्रवाल फेलोशिप क्लब एक मशहूर समाज सेवी संस्था है जो रक्तदान शिविर के अलावा समाज सेवा के विभिन्न कार्यों को करते हैं। समाज सेवी कार्यों से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है। क्लब सदस्य स्वयं रक्तदान कर समाज सेवा का बेहतर उदाहरण समाज को दे रहे हैं। उन्होंने अग्रवाल फेलोशिप क्लब को प्रोत्साहन स्वरूप अपने स्वैच्छिक कोष से दस लाख रुपए देने की घोषणा की।ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि आज के युग में लोग अपने तक ही सीमित होकर रह गए हैं जबकि दूसरे लोगों की सेवा के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। सेवा विभिन्न कार्यों से होती है और हमें यह करना जरूरी भी है। हम पर्यावरण से हवा ले रहे हैं, सूर्य से रोशनी ले रहे हैं और इन्हीं से ही हम जीवित है परंतु संसार का नियम है कि दुनिया में कुछ मुफ्त नहीं है और हर वस्तु का भाव देना पड़ता है। यदि हमने कुछ लिया है तो कुछ देना भी पड़ता है अन्यथा समाज व प्रकृति का कर्जा चढ़ता रहता है। इसी कर्जे को उतारने के लिए समाज सेवी संस्थाएं बहुत बढ़ी भूमिका अदा कर रही है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने गीत गुनगुनाया कि 'अपने लिए जिए तो क्या जिए!

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में गणना प्रपत्रों का सत्यापन तुरन्त करें बीएलओ : डीसी

एजेंसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 के तहत जिला में मतदाताओं को वितरित किए गए गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा हैं। सभी शेष बचे वोटर से गणना फार्म प्राप्त कर उनका डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। वोटर से भी अपील की जा रही है कि वो 24 जुलाई का इंतजार न करते हुए तुरंत आज ही फार्म भरकर बीएलओ को दें। डीसी ने कहा कि गणना (एन्यूमरेशन) चरण के दौरान बीएलओ द्वारा एएसडीडी मामलों के सत्यापन तथा पर्यवेक्षकों द्वारा उनके प्रमाणीकरण का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। जिन मतदाताओं ने गणना प्रपत्र जमा करा दिए हैं, लेकिन उनका सत्यापन अभी लंबित है, उन सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीसी ने कहा कि जिला के सभी मतदाताओं के गणना कार्य का सत्यापन संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि 31 जुलाई को होने वाले प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन से पूर्व

सभी तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। निर्धारित स्थानों पर एएसडीडी सूची चस्पा की जाए तथा दावा एवं आपत्ति के लिए आवश्यक सभी वैधानिक प्रपत्र, जैसे फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8, पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहें। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूरे किए जाएं, ताकि प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन पूरी शुद्धता एवं सटीकता के साथ किया जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जहां आवश्यक हो वहां मतदान केंद्र क्षेत्रों का रैशनलाइजेशन किया जाए, ताकि मतदाताओं को अधिक सुविधा मिल सके। इसके साथ ही ऐसे मामलों की भी पहचान की जाए, जहां एक ही परिवार के सदस्य एक ही पते पर रहने के बावजूद मतदाता सूची के अलग-अलग भागों अथवा अलग-अलग मतदान केंद्रों में दर्ज हैं। ऐसे मामलों में नियमानुसार आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना तथा मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, अद्यतन और विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए गणना प्रपत्रो के डिजिटाइजेशन का कार्य तुरंत पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजकुमार लोहान ने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का किया औचक निरीक्षण

विभिन्न सेक्टरों व कॉलोनियों के बूथों का निरीक्षण कर बीएलओ के कार्यों की समीक्षा, समयबद्ध एवं त्रुटिरहित पुनरीक्षण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत हरियाणा के संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजकुमार लोहान ने गुरुग्राम एवं बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ निर्वाचन कानूनगो अनीता तथा निर्वाचन तहसीलदार राजेंद्र हुड्डा भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सेक्टर-31, 40, 56, 54, 52, 15, 7, 4, 43, 45, 46, 27 सहित 5-7 कॉलोनी के विभिन्न मतदान क्षेत्रों का दौरा कर बूथ स्तर पर चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा मतदाता गणना प्रपत्र भरने, आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन तथा पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं अपात्र नामों के संबंध में किए

जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। राजकुमार लोहान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल होना सुनिश्चित किया जाए तथा किसी भी योग्य नागरिक का नाम छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने घर-घर जाकर सत्यापन कार्य में तेजी लाने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी प्रपत्रों का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बीएलओ से संवाद कर अभियान के संचालन, सामने आ रही व्यावहारिक चुनौतियों तथा उनके समाधान के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित निर्वाचन प्रक्रिया की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक अधिकारी इसकी सफलता के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करे। निर्वाचन कानूनगो अनीता तथा निर्वाचन तहसीलदार राजेंद्र हुड्डा ने भी विभिन्न बूथों पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सर्वोत्तम कार्य करने वाली 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा - नायब सिंह सैनी

एजेंसी

तावडू। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज घोषणा की कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में खंड स्तर पर सर्वोत्तम कार्य करने वाली 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' को ईनाम के तौर पर 10 लाख रुपये दिए जाएंगे। इस राशि का उपयोग स्कूल के विकास में किया जाएगा। इसमें सर्वोत्तम विद्यालय प्रबंधन समिति का चयन 'सच' पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। इसके अलावा , सभी 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' को पेयजल का टैंक ठीक करवाने , टॉयलेट एवं दीवार की मरम्मत जैसे छोटे -मोटे एवं आवश्यक कार्यों के लिए एक लाख रुपए तक खर्च करने की शक्तियां दी जाएंगी। अतिरिक्त उपायुक्त की स्वीकृति के बाद 25 लाख रुपये तक खर्च करने की अनुमति होगी। मुख्यमंत्री चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास से राज्य के सरकारी स्कूलों की 'विद्यालय प्रबंधन समितियों' के साथ वर्चुअल माध्यम से सीधा राज्यस्तरीय संवाद कर रहे थे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर सरकारी स्कूलों के मूल्यांकन के लिए 'सच ' नामक पोर्टल को भी लांच किया। श्री नायब सिंह सैनी ने प्रत्येक जिला के एक स्कूल की विद्यालय प्रबंधन समिति से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद किया।

उन्होंने सभी समितियों के अध्यक्ष , सचिव एवं सदस्यों से स्वच्छता , पेयजल की व्यवस्था , टॉयलेट , स्टेडियम , स्कूल में बच्चों की संख्या , बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम, सुपर -100 एवं बुनियाद कार्यक्रम में बच्चों का प्रवेश के अलावा आईआईटी , आईआईएम , राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों का प्रदर्शन से लेकर विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठकों एवं पीटीएम को लेकर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने शिक्षा एवं उनके स्कूलों की बेहतरी के लिए सुझावों तथा आवश्यकताओं पर भी बातचीत की। विद्यालय प्रबंधन समिति के सभी पदाधिकारियों ने राज्य सरकार द्वारा स्कूली शिक्षा को लेकर उठाए गए कदमों की प्रशंसा की और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को साधुवाद भी दिया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सभी विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरुप हरियाणा सरकार स्कूली शिक्षा को गुणवत्तापरक एवं संस्कारवान बनाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी शिक्षा में निहित होती है , इसलिए समिति के सदस्य अपने दायित्वों को समझते हुए स्कूल के वातावरण को अनुकूल बनाने के लिए मिल-जुल कर कार्य करें। उन्होंने स्कूलों के मुखियाओं से भी आह्वान किया कि सभी अध्यापक , विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं बच्चे स्कूल परिसर में पौधरोपण करें।

हाइड्रोजन ट्रेन खराब होने का दावा भ्रामक, लोको पायलट ने कहा-गाड़ी पूरी तरह सही चल रही है

एजेंसी

जींद । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई को हरियाणा के जींद से देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें दावा किया गया कि लॉन्चिंग के अगले ही दिन हाइड्रोजन ट्रेन खराब हो गई और उसे डीजल इंजन से खींचकर ले जाया जा रहा है। हालांकि, इस दावे को भारतीय रेलवे और ट्रेन के लोको पायलट ने भ्रामक बताया है। हाइड्रोजन ट्रेन के लोको पायलट रामचंद्र ने सोमवार को बातचीत में कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा वीडियो फर्जी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ट्रेन नियमित रूप से चल रही है और इसमें किसी तरह की कोई तकनीकी समस्या नहीं है। लोको पायलट ने बताया कि यह हाइड्रोजन ट्रेन 17 जुलाई से जींद और सोनीपत के बीच संचालित हो रही है। इस रूट पर इसके कुल 12 स्टॉपेज हैं। सेक्शन की निर्धारित गति सीमा 75 किलोमीटर प्रति घंटा है, इसलिए ट्रेन इसी स्पीड से चलती है जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक है। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की तकनीक से ट्रैक्शन पावर तैयार करती है। इस वजह से इससे पारंपरिक डीजल ट्रेनों की तरह धुआं नहीं निकलता और यह पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का उदाहरण है। रामचंद्र ने कहा कि ट्रेन

जींद से सोनीपत के बीच नियमित रूप से चल रही है और सप्ताह में छह दिन इसका संचालन होता है। शुक्रवार को इसका परिचालन नहीं किया जाता है। इसका किराया 25 रुपये है। भारतीय रेलवे की ओर से भी इस वायरल दावे को गलत बताया गया है। रेलवे ने कहा है कि देश की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ट्रेन अपनी तय योजना के अनुसार संचालित हो रही है और इसके खराब होने की खबरें भ्रामक हैं। मेंटेनेंस के लिए हाइड्रोजन ट्रेन के आने-जाने के दौरान एक लोकोमोटिव (इंजन) का इस्तेमाल किया जाता है।

12,800 से अधिक शैक्षणिक संस्थान तंबाकू-मुक्त घोषित : डॉ. सुमिता मिश्रा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली दो तिमाहियों के दौरान राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी) के तहत उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं, जिसने प्रभावी प्रवर्तन, जागरूकता सृजन, नशा मुक्ति सेवाओं और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से एक तंबाकू-मुक्त समाज बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया है। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि तंबाकू-मुक्त शैक्षणिक संस्थान (टीओएफईआई) दिशा-निर्देशों के तहत 12,865 शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू-मुक्त घोषित किए जाने के साथ हरियाणा तंबाकू नियंत्रण में अग्रणी राज्यों में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत तंबाकू नियंत्रण प्रतिज्ञाओं (शपथ) की संख्या के मामले में देश में दूसरा स्थान हासिल किया है, जो व्यापक जनभागीदारी और मजबूत अंतर-विभागीय समन्वय को दर्शाता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरकार तंबाकू-मुक्त गाँव बनाने की दिशा में

भी तेजी से प्रगति कर रही है, जिसके तहत 1,128 गाँवों को पहले ही तंबाकू-मुक्त घोषित किया जा चुका है, जो आने वाली पीढ़ियों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए हरियाणा की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि तंबाकू नियंत्रण कानूनों का कड़ाई से पालन कराना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता बनी हुई है। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, कोटपा (COTPA), 2003 की धारा 4 के तहत 3,848 उल्लंघनकर्ताओं के चालान किए गए, जिससे जुर्माने के रूप में ?1.82 लाख एकत्र हुए। इसके अलावा, प्रवर्तन एजेंसियों ने इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत छह मामले दर्ज किए और 33 इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट का स्टॉक जब्त किया। उन्होंने आगे जानकारी दी कि सभी जिला अस्पतालों और 17 मेडिकल/डेंटल कॉलेजों में संचालित तंबाकू नशा मुक्ति केंद्रों ने 20,414 तंबाकू उपयोगकर्ताओं को परामर्श और उपचार सेवाएं प्रदान कीं, जिससे उन्हें पेशेवर परामर्श और फार्माकोथेरेपी के माध्यम से तंबाकू छोड़ने में मदद मिली।

हरियाणा के राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. ब्रह्मदीप सिंह ने कहा कि इन उपलब्धियों को हासिल करने में व्यापक जागरूकता गतिविधियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डीएलएफ फेज-3 के एरिया सरस्वती कुंज (गुरुग्राम) में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री संजय कुमार, आईपीएस के दिशा-निर्देशों तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त फरीदाबाद एवं ब्यूरो के पुलिस उप-महानिरीक्षक श्री राजेंद्र कुमार मीणा, आईपीएस के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में चलाए जा रहे नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत डीएलएफ फेज-3 के एरिया सरस्वती कुंज (गुरुग्राम) में नशे के विरुद्ध व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस टीम द्वारा लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को कमजोर करता है। यदि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी तो देश का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध होगा। उन्होंने लोगो से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने मित्रों, परिवार तथा आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने काव्य और गायन के माध्यम से भी लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि यदि नशा होता अच्छा तो माँ कहती खा ले मेरे बच्चा। यदि नशा होता अच्छा तो पिता कहता ले थोड़ी ली पी क्यों करता है चिंता अपनी जिंदगी जी। नशे के चक्रव्यूह पर चर्चा करते हुए उन्होंने विस्तार से कहा नशा शौक से आरम्भ होता है और इसका अंत भी शोक पर होता है। शौक और शोक में केवल एक मात्रा का अंतर है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए भारतीय बल पर्याप्त हैं लेकिन जागरूकता के आभाव में नशा कारोबारी अपने स्वार्थ के लिए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं जो कतई स्वीकार्य नहीं है।

पश्चिम एशिया तनाव से ब्रेंट क्रुड 90 डॉलर के पार

अमेरिका-ईरान संघर्ष ने बढ़ाई तेल आपूर्ति चिंताएं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें उछल गईं। ब्रेंट क्रूड 90.15 डॉलर प्रति बैरल, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 83.52 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार करता दिखा। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने तेल आपूर्ति में बाधा की आशंका पैदा की है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति और आर्थिक नीतियों पर गंभीर असर पड़ने की चिंताएं गहरा गई हैं। कच्चे तेल में यह करीब 2.3 फीसदी (ब्रेंट) और 2.1 फीसदी (डब्लयूटीआई) की तेजी पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तेज करने के कारण आई है। बाजार को डर है कि अगर तनाव और बढ़ा तो वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित होगी, जिससे कीमतें और ऊपर जा सकती हैं। तेल की कीमतें बढ़ने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ती है, जिसका सीधा असर रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ता है, जिससे दुनिया भर में महंगाई बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप, अमेरिकी फेडरल रिजर्व जैसे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए, ऊंची कीमतें आयात बिल बढ़ाएंगी, रुपये पर दबाव डालेंगी और घरेलू पेट्रोल-डीजल समेत अन्य वस्तुओं की महंगाई बढ़ाएंगी।

भारत-स्पेन में डिजिटल भुगतान एकीकरण पर तेजी

निवेश व पेशेवरों की आवाजाही बढ़ाने पर भी जोर

नई दिल्ली ।

भारत और स्पेन ने अपनी डिजिटल भुगतान प्रणालियों, भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और स्पेन के डिजिटल भुगतान मंच 'बिजुम' को एकीकृत करने की दिशा में बातचीत तेज करने पर सहमति व्यक्त की है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह महत्वपूर्ण निर्णय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया स्पेन यात्रा के दौरान हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में लिया गया। मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने भारत के यूपीआई और स्पेन के बिजुम डिजिटल भुगतान मंचों को जोड़ने के लिए तकनीकी स्तर पर आगे बातचीत बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसके अतिरिक्त दोनों देशों ने आपसी निवेश को आसान बनाने, पेशेवरों की आवाजाही में सुधार लाने और लैटिन अमेरिका में संयुक्त निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी व्यापक चर्चा की। इस दौरान यूरोप और लैटिन अमेरिका के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में स्पेन की रणनीतिक स्थिति का अधिकतम लाभ उठाने पर विशेष जोर दिया गया। अपनी ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान मंत्री गोयल ने भारतीय जहाज पुनर्चक्रण केंद्रों को सूचीबद्ध करने का मुद्दा भी उठाया। साथ ही, उन्होंने कौशल, शिक्षा और प्रतिभाशाली पेशेवरों की आवाजाही को लेकर भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच एक विशेष संवाद शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ लिस्टिंग को तैयार

निवेशकों को 18 फीसदी तक बंपर मुनाफे की उम्मीद, 21 जुलाई को होगी शेयरों की लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के बहुप्रतीक्षित आईपीओ का अलॉटमेंट पूरा हो चुका है, और अब सभी की नजरें 21 जुलाई को होने वाली इसकी लिस्टिंग पर टिकी हैं। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर जोरदार तेजी दिखा रहे हैं, जिससे निवेशकों को मजबूत लिस्टिंग गेन मिलने की उम्मीद है। 0 जुलाई को आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 103 रुपये रहा, जिसके आधार पर शेयर 574 रुपये के इश्यू प्राइस से करीब 18 फीसदी ऊपर 677 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। इससे एक लॉट पाने वाले निवेशकों को लगभग 2,678 रुपये का लिस्टिंग गेन मिलने का अनुमान है। इस आईपीओ को निवेशकों का शानदार समर्थन मिला था और यह कुल 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। मजबूत सब्सक्रिप्शन ने लिस्टिंग को लेकर बाजार में सकारात्मक उम्मीदें बढ़ा दी हैं। करीब 11,693 करोड़ रुपये का यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 6.3 फीसदी और एमंडी इं डिया हो ल्डिंग ने 3.7 फीसदी हिस्सेदारी बेची। भारत की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, जिसका एसेट अंडर मैनेजमेंट लगभग 16.32 लाख करोड़ रुपये है, को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। जिन निवेशकों ने आवेदन किया था, वे एनएसई की वेबसाइट पर पेन नंबर या आवेदन संख्या दर्ज करके अपना अलॉटमेंट स्टेटस चेक कर सकते हैं।

डेंगू से मिलेगी राहत, भारत को मिला पहला टीका क्यूडेंगा

नई दिल्ली।

देश में डेंगू की रोकथाम को बड़ी मजबूती मिली है। टाकेडा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से डेंगू के टीके 'क्यूडेंगा' के विपणन की मंजूरी मिल गई है। यह भारत में स्वीकृत होने वाला पहला डेंगू-रोधी टीका है। जापान की प्रमुख जैव-औषधि कंपनी टाकेडा की भारतीय इकाई को यह ऐतिहासिक मंजूरी मिली है।

यह टीका 4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में डेंगू के संक्रमण को रोकने के लिए उपयोग किया जाएगा। इसकी एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसे उन लोगों को भी लगाया जा सकता है जिन्हें पहले कभी डेंगू हुआ हो या न हुआ हो, और टीकाकरण से पहले किसी जांच की आवश्यकता नहीं होगी। टाकेडा के अंतरमहाद्वीपीय बाजार के एक अे धिकारी ने इस मंजूरी को भारत में डेंगू की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने जानकारी दी कि 2022 में बाजार में आने के बाद से क्यूडेंगा को विश्व भर में 43 देशों में स्वीकृति मिल चुकी है और दुनिया भर में इसकी 3.2 करोड़ से अधिक खुराकें वितरित की जा चुकी हैं।

यह भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक सकारात्मक विकास है।

वीआई को कर्ज पर बैंकों की शर्त, प्रमोटर दें गारंटी

मुंबई । वोडाफोन आइडिया (वीआई) को 35,000 करोड़ रुपये के नए कर्ज की अंतिम मंजूरी मिलने में बाधा आ रही है। सूत्रों के मुताबिक ऋणदाता कंपनी के वित्तीय अनुमानों पर मोटे तौर पर सहमत हैं, लेकिन 5जी नेटवर्क विस्तार और पूंजीगत व्यय के लिए इस बड़ी वित्तीय मदद को हरी झंडी देने से पहले प्रवर्तकों से अतिरिक्त आश्वासन या स्पष्ट प्रतिबद्धता की मांग कर रहे हैं। बैंक चाहते हैं कि प्रवर्तक (या समूह की कंपनियां) गारंटी दें, अतिरिक्त पूंजी डालें या भुगतान में चूक होने पर सहायता करने की स्पष्ट प्रतिबद्धता दें। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की, कंपनी की आय और कर्ज भुगतान के अनुमानों पर हम सहमत हैं, लेकिन जोखिम के प्रति अतिरिक्त आश्वासन जरूरी है। उन्होंने दूरसंचार उद्योग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण राजस्व की अनिश्चितता को भी रेखांकित किया, जिससे अतिरिक्त सहूलियत की मांग बढ़ जाती है। वोडाफोन आइडिया को यह 35,000 करोड़ रुपए का कर्ज अपने 5जी नेटवर्क के विस्तार सहित अन्य पूंजीगत योजनाओं के लिए चाहिए। कंपनी में प्रवर्तकों की कुल 25.64 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें वोडाफोन समूह (19 फीसदी) और आदित्य बिड़ला समूह (6.63 फीसदी) शामिल हैं। भारत सरकार की लगभग 49 फीसदी हिस्सेदारी है, पर उसे सार्वजनिक शेयरधारक के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 442.93, निफ्टी 95.80 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण पश्चिम एशिया में संकट गहराने से भी बाजार नीचे आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 442.93 अंक फिसलकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 95.80 अंक टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 11 शेयर गिरे। इस दौरान बैंकिंग शेयर सबसे अधिक टूटे। एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये। वहीं दिग्गज कंपनी मारुति, कोटक बैंक, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर भी गिरे। वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.02 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा पावरग्रिड, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 532 अंक से अधिक टूटकर 77,619 के स्तर पर आ गया, वहीं निफ्टी 142 अंकों की गिरावट के साथ 24,191 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में यह गिरावट वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आई है, जहां निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे, जो बाजार में समग्र दबाव को दर्शाता है। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे वित्तीय सेवाओं और बैंकिंग क्षेत्र पर व्यापक दबाव बना।

संरचनात्मक सुधारों से भारत 9 फीसदी वृद्धि दर हासिल कर सकता हैः सुब्रमण्यम

पूर्व सीईए ने कारोबार व वित्तपोषण लागत घटाने भूमि, पूंजी, न्यायिक व नौकरशाही सुधारों पर दिया जोर

नई दिल्ली ।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने कहा है कि भारत कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उनके अनुसार, वृहद आर्थिक स्थिरता ने 7 फीसदी वृद्धि तक पहुंचाया है, जबकि संस्थागत सुधार 9 फीसदी तक ले जा सकते हैं। सुब्रमण्यम ने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधारों को लागू करने की वकालत की। उनका मानना हैकि 8 फीसदी से अधिक वृद्धि के लिए निजी निवेश का जीडीपी में हिस्सा 30 फीसदी से अधिक होना चाहिए, जो वर्तमान में लगभग 22-23 फीसदी है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया है और बैंकिंग प्रणाली भी एनपीए के निचले स्तर पर होने के कारण मजबूत स्थिति में है। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से अर्थव्यवस्था को सहारा मिलने की बात कही। कृत्रिम मेधा (एआई) पर, सुब्रमण्यम ने सुझाव दिया कि भारत को अगला चैटजीपीटी बनाने के बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा, विनिर्माण और सार्वजनिक प्रशासन में एआई का दुनिया का सबसे प्रभावी उपयोगकर्ता बनना चाहिए, ताकि उत्पादकता वृद्धि सुनिश्चित हो सके। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक सख्ती को एक कारण बताते हुए, उन्होंने जोर दिया कि घरेलू कारक अधिक महत्वपूर्ण हैं। गौरतलब है कि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

बॉन्ड बाजार की नरमी का लाभ उठाने से चूके बैंक, पहली आय पर दबाव

मजबूत ऋण मांग और उच्च आधार प्रभाव ने ट्रेजरी मुनाफे को किया प्रभावित

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में बॉन्ड यील्ड में नरमी के बावजूद, भारतीय बैंकों की ट्रेजरी आय में उम्मीद के मुताबिक बढ़ोतरी नहीं हुई, बल्कि कई बैंकों ने सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की। बैंकरों के मुताबिक, उच्च आधार प्रभाव और ऋण वृद्धि हेतु सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री ने मुनाफे को सीमित किया। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में दर्ज अप्रत्याशित ट्रेजरी लाभ के कारण इस बार आय कम दिखी। इसके अलावा ऋणदाताओं ने तिमाही के दौरान ऋण वृद्धि को गति देने के लिए अपनी अतिरिक्त सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) होल्डिंग्स को कम कर दिया।

इससे नरम यील्ड से लाभ उठाने की उनकी क्षमता सीमित हो गई, क्योंकि यील्ड में बड़ी गिरावट आने से पहले ही उन्होंने अपनी प्रतिभूतियां बेच दी थीं। एक ट्रेजरी प्रमुख ने बताया, मजबूत ऋण वृद्धि के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की भारी बिक्री के कारण अधिकांश बैंक इसका लाभ उठाने में असमर्थ रहे। अप्रैल-जून तिमाही में 10-वर्षीय बेंचमार्क सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में लगभग 32 आधार अंकों की गिरावट आई। हालांकि, बैंकों की ऋण वृद्धि जून के अंत तक दो साल के उच्चतम स्तर 19.6 प्रतिशत पर पहुंच गई । बकि जमा वृद्धि 13.3 प्रतिशत रही। परिणामस्वरूप, आईसीआईसीआई बैंक और ऐक्सिस बैंक जैसे प्रमुख निजी बैंकों की ट्रेजरी आय में क्रमशः 87.8 और 62 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज हुई।

प्री-आईपीओ बाजार में रिटेल निवेशकों की बढ़ती रुचि

लिस्टिंग से पहले निवेश कर कमाई का नया जरिया

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की तलाश में रिटेल निवेशकों का रुझान अब तेजी से उन कंपनियों की ओर बढ़ रहा है जो अभी सूचीबद्ध नहीं हुई हैं। अच्छे आईपीओ में सीमित आवंटन मिलने के कारण निवेशक अब प्री-आईपीओ निवेश को एक आकर्षक विकल्प मान रहे हैं, जो पहले केवल संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। प्री-आईपीओ निवेश का अर्थ है किसी कंपनी के शेयर उसके शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले खरीदना। अधिकृत प्लेटफॉर्म, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) जैसे नियामकीय माध्यमों से अब रिटेल निवेशकों के लिए भी यह विकल्प खुल गया है। यह निवेशकों को कंपनी की शुरुआती विकास यात्रा का हिस्सा बनने और लिस्टिंग के बाद वैल्यूएशन में बढ़ोतरी के जरिए बेहतर रिटर्न पाने का मौका देता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की संभावना बनती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रदर्शन, प्रबंधन की गुणवत्ता, उद्योग की संभावनाओं और वैल्यूएशन की गहन जांच-पड़ताल बेहद जरूरी है। यह निवेश कम तरल होता है और इसमें आईपीओ में देरी या रद्द होने, वैल्यूएशन में अस्थिरता जैसे जोखिम भी शामिल हैं। जोखिमों को देखते हुए विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए, केवल विश्वसनीय और नियामक मानकों का पालन करने वाले प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

डेवलपर्स के लिए नए मापदंड, अगले 5-7 सालों में 2 लाख करोड़ तक निवेश का अनुमान

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्विरस कैपिटल के एक अे धिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

भारतीय कंपनियों के लिए उत्साहजनक रही वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही

मुनाफा और आय में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनी जगत के लिए वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के नतीजों का मौसम बेहद उत्साहजनक रहा है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों ने शुद्ध मुनाफे और आय दोनों में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बैंक, तेल एवं गैस, खनन तथा धातु क्षेत्रों के दमदार प्रदर्शन के कारण हुई, जबकि रुपये की नरमी से आईटी कंपनियों के मुनाफे को भी बल मिला है। अभी तक नतीजे जारी करने वाली 156 कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 19.4 प्रतिशत बढ़ा है, जो पिछले 11 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 11 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के 6.8 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। इन कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा 1.09 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि में इन कंपनियों की कुल शुद्ध बिक्री या आय 17.6 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछली 14 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 4.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही के 9.1 प्रतिशत की वृद्धि से काफी बेहतर है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.40 पर बंद हुआ। रुपया शुरुआत कारोबार में 12 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। पश्चिम एशिया संकट गहराने के मद्देनजर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी का भी भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 96.53 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 96.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट है। वहीं रुपया शुक्रवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.30 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 100.54 पर रहा।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

डेवलपर्स के लिए नए मापदंड, अगले 5-7 सालों में 2 लाख करोड़ तक निवेश का अनुमान

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्विरस कैपिटल के एक अे धिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। अनंत राज ने हरियाणा में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है, जबकि माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट नवी मुंबई में प्रिंसटन डिजिटल ग्रुप के साथ 10 लाख वर्ग फुट से अधिक का डेटा सेंटर विकसित कर रही है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

धीमी अर्थव्यवस्था का दबाव बरकरार

नई दिल्ली ।

चीन के केंद्रीय बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना (पीबीओसी) ने जुलाई 2026 में अपनी प्रमुख लोन ब्याज दरों (एलपीआर) को लगातार 14वीं बार अपरिवर्तित रखा है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश की अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें धीमी वृद्धि और रियल एस्टेट सेक्टर पर गहरा दबाव शामिल है। बैंक ने एक साल की लोन प्राइम रेट (एलपीआर) को 3.0 फीसदी और पांच साल की एलपीआर को 3.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। चीन की अर्थव्यवस्था दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून) में 2022 की चौथी तिमाही के बाद सबसे कमजोर वृद्धि दर दर्ज कर चुकी है, वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर दिखाई दे रहा है। कमजोर घरेलू मांग के बावजूद, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े उत्पादों की मजबूत निर्यात मांग ने अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सहारा दिया है। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं उपभोक्ता और थोक महंगाई पर दबाव बनाए हुए हैं, जिससे केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों में कटौती करना मुश्किल हो गया है।

प्री-आईपीओ बाजार में रिटेल निवेशकों की बढ़ती रुचि

लिस्टिंग से पहले निवेश कर कमाई का नया जरिया

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की तलाश में रिटेल निवेशकों का रुझान अब तेजी से उन कंपनियों की ओर बढ़ रहा है जो अभी सूचीबद्ध नहीं हुई हैं। अच्छे आईपीओ में सीमित आवंटन मिलने के कारण निवेशक अब प्री-आईपीओ निवेश को एक आकर्षक विकल्प मान रहे हैं, जो पहले केवल संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। प्री-आईपीओ निवेश का अर्थ है किसी कंपनी के शेयर उसके शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले खरीदना। अधिकृत प्लेटफॉर्म, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) जैसे नियामकीय माध्यमों से अब रिटेल निवेशकों के लिए भी यह विकल्प खुल गया है। यह निवेशकों को कंपनी की शुरुआती विकास यात्रा का हिस्सा बनने और लिस्टिंग के बाद वैल्यूएशन में बढ़ोतरी के जरिए बेहतर रिटर्न पाने का मौका देता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की संभावना बनती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रदर्शन, प्रबंधन की गुणवत्ता, उद्योग की संभावनाओं और वैल्यूएशन की गहन जांच-पड़ताल बेहद जरूरी है।

यह निवेश कम तरल होता है और इसमें आईपीओ में देरी या रद्द होने, वैल्यूएशन में अस्थिरता जैसे जोखिम भी शामिल हैं। जोखिमों को देखते हुए विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए, केवल विश्वसनीय और नियामक मानकों का पालन करने वाले प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

विनोद कुमार विक्की

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूर्वानुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।

वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ड) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया। इसी प्रकार ढरछश-उ37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाजार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव–ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

निस्संदेह, अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की निरंतर सफलताएँ यह संदेश देती हैं कि विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के पंखों पर सवार यह राष्ट्र आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विश्व मंच पर और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। विक्रम-1 की सफलता केवल एक प्रक्षेपण की विजय नहीं, बल्कि नए भारत की वैज्ञानिक चेतना, तकनीकी आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की उड़ान का प्रतीक है। यही उड़ान आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष के अनंत आकाश में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। (लेखक स्वतंत्र व्यंग्यकार-सह-टिप्पणीकार हैं)

संपादकीय

विश्वसनीय हो स्क्रैपिंग

हरियाणा में पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के लिये सरकार ने जिन प्रोत्साहन स्कीमों की घोषणआ की है, वह समय की जरूरत है। हरियाणा सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिये पांच प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। जो पुरानी गाड़ियों को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। दरअसल, पुरानी हो चुकी गाड़ियों को सिर्फ कबाड़ नहीं माना जाना चाहिए, यदि उनका कायदे से निस्तारण हो तो आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण की रक्षा भी की जा सकती है। कुछ लोग अपने वाहन की देखभाल इतने कायदे से करते हैं कि उसे कबाड़ कहना, उनकी भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। दरअसल, अब राज्य सरकार की नई पॉलिसी इन वाहनों को कबाड़ मानने के बजाय, उन्हें रीसाइकिल होने वाले मेटीरियल, ग्रीन जॉब्स प्रदाता और साफ हवा के स्रोत के रूप में दशार्ती है। निस्संदेह,यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार-पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है। दरअसल, हरियाणा सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं - कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी की वापसी,एसजीएसटी रिफंड, ब्याज में मदद और स्किल डेवलपमेंट- अधिकृत स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग सुविधाओं में निवेश को आकर्षित करने के लिये बनायी गई है। लेकिन इस पॉलिसी की सफलता सिर्फ इंडस्ट्री की भागीदारी पर ही निर्भर नहीं करेगी। गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी-रोटी का जरिया भी होती है। जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविधाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में गैर-कानूनी तौर पर गाड़ियों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। वहीं लोगों को जागरूक बनाने और स्वेच्छा से स्क्रैपिंग के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सिर्फ नियम बनाने से हवा को साफ नहीं किया जा सकता।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

कांतिलाल मांडोत

मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के जाल से युवाओं को बचाने का समय

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी की। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड समेत उन्नीस आरोपियों को गिरफ्तार किया और रोहनिया स्थित एक भवन से लगभग तीन सौ प्रशिक्षु युवक युवतियों को मुक्त कराया। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है।

ऐसी ठगी का सबसे बड़ा हथियार लोगों के सपने होते हैं। ठग पहले बेरोजगार युवाओं को नौकरी या व्यापार का आकर्षक प्रस्ताव देते हैं। उन्हें बताया जाता है कि बिना किसी अनुभव के लाखों रुपये कमाए जा सकते हैं। शुरूआत में छोटी राशि जमा कराई जाती है और फिर नए लोगों को जोड़ने का दबाव बनाया जाता है। इस पूरी व्यवस्था को मल्टी लेवल मार्केटिंग या पिरामिड स्कीम का नाम दिया जाता है जबकि वास्तव में इसका उद्देश्य केवल लोगों से पैसा इकट्ठा करना होता है। जब नए सदस्य मिलना बंद हो जाते हैं तब पूरी योजना ढह जाती है और सबसे अधिक नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ता है।

साइबर ठग हमेशा भरोसा जीतने की कोशिश करते हैं। वे महंगे होटल में सेमिनार आयोजित करते हैं। बड़े कार्यालय दिखाते हैं। महंगी गाड़ियां और शानदार जीवनशैली का प्रदर्शन करते हैं ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि यह कारोबार पूरी तरह सफल और सुरक्षित है। कई बार सोशल मीडिया पर नकली सफलता की कहानियां भी दिखाई जाती हैं। युवाओं को यह विश्वास दिलाया जाता है कि यदि वे जल्दी निर्णय नहीं लेंगे तो जीवन का सबसे बड़ा अवसर खो देंगे। इसी जल्दबाजी में लोग अपनी मेहनत की कमाई गंवा बैठते हैं। ऐसी ठगी से बचने के लिए सबसे पहले किसी भी योजना की सच्चाई को परखना जरूरी है। यदि कोई संस्था कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का वादा कर रही है तो सतर्क हो जाना चाहिए। कोई भी वैध व्यापार बिना जोखिम के निश्चित और असाधारण लाभ की गारंटी नहीं देता। यदि किसी योजना में कमाई का मुख्य आधार नए सदस्य जोड़ना है और उत्पाद या सेवा केवल दिखावे के लिए है तो वह पिरामिड स्कीम हो सकती है।

किसी भी संस्था में पैसा लगाने से पहले उसका पंजीकरण और कानूनी स्थिति अवश्य जांचनी चाहिए। कंपनी का पूरा पता उसका लाइसेंस और सरकारी पंजीकरण देखना चाहिए। यदि संस्था इन जानकारियों को छिपाती है या स्पष्ट उत्तर नहीं देती तो उससे दूरी बनाना ही समझदारी है। केवल सोशल मीडिया वीडियो या किसी परिचित की बात पर भरोसा करके निवेश नहीं करना चाहिए।

बेरोजगार युवाओं को विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि ठग सबसे अधिक उन्हें ही निशाना बनाते हैं। नौकरी दिलाने के नाम पर पहले प्रशिक्षण शुल्क फिर सदस्यता शुल्क और बाद में निवेश के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं। किसी भी नौकरी के लिए अत्यधिक पंजीकरण शुल्क या निवेश की मांग की जाए तो उसकी सत्यता की जांच अवश्य करनी चाहिए। वास्तविक कंपनियां प्रतिभा के आधार पर भर्ती करती हैं न कि भारी रकम जमा कराने के बाद।

डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते की जानकारी एटीएम कार्ड का विवरण ओटीपी पासवर्ड या पहचान संबंधी दस्तावेज साझा नहीं करने चाहिए। ठग कई बार फोन कॉल संदेश या फर्जी वेबसाइट के माध्यम से लोगों की निजी जानकारी हासिल कर लेते हैं और फिर बैंक खातों से पैसे निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचना चाहिए और केवल आधिकारिक वेबसाइट का ही उपयोग करना चाहिए। यदि किसी योजना को लेकर मन में जरा भी संदेह हो तो परिवार के सदस्यों या किसी विश्वसनीय विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अक्सर भारी नुकसान का कारण बनता है। किसी भी निवेश से पहले उसके नियम शर्तें और जोखिम को अच्छी तरह समझना आवश्यक है। यदि सामने वाला व्यक्ति बार बार दबाव बनाकर तुरंत पैसा जमा कराने की बात कर रहा है तो यह खतरे का संकेत हो सकता है।

सरकार और पुलिस भी लगातार लोगों को जागरूक कर रही हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन और साइबर पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन ठगी हो जाए तो तुरंत बैंक को सूचना देनी चाहिए और बिना देर किए साइबर पुलिस से संपर्क करना चाहिए। शुरूआती समय में शिकायत दर्ज होने पर कई मामलों में धनराशि वापस मिलने की संभावना भी रहती है।

शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भी जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को वित्तीय साक्षरता और साइबर सुरक्षा की जानकारी दें। स्कूल कॉलेज और विश्वविद्यालयों में समय समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होने चाहिए ताकि विद्यार्थी वास्तविक और फर्जी योजनाओं के बीच अंतर समझ सकें। परिवारों को भी अपने बच्चों के साथ आर्थिक निर्णयों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए ताकि वे किसी लालच या दबाव में गलत कदम न उठाएं। वाराणसी का मामला केवल एक गिरोह की गिरफ्तारी भर नहीं है बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यह दिखाता है कि अपराधी आधुनिक तकनीक और मनोवैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करके लोगों को आसानी से अपने जाल में फंसा सकते हैं। इसलिए केवल कानून के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं भी जागरूक और सतर्क रहना होगा।

ट्रंप की नीतियों ने विश्व में गिराई अमेरिका की साख

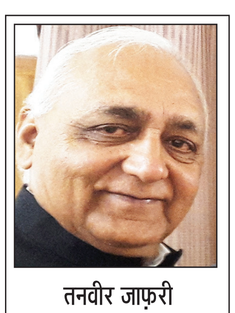

तनवीर जाफ़री

दरअसल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ही अमेरिका को विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में वैश्विक मान्यता मिल चुकी थी। तब तक अमेरिका परमाणु बम सम्पन्न देश होने के अलावा संयुक्त राष्ट्र के गठन में भी अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगा था। साथ ही अमेरिकी डॉलर ने भी अपनी वैश्विक भूमिका अदा करनी शुरू कर दी थी। हालांकि 1945 के बाद ही सोवियत संघ को भी विश्व की दूसरी महाशक्ति के रूप में देखा जाने लगा था परन्तु 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद तो अमेरिका अकेली वैश्विक महाशक्ति रह गया। उसी समय से ह्वविश्व की सबसे बड़ी महाशक्तिह्व के रूप में अमेरिका की स्वीकार्यता लगभग निर्विवाद हो गई थी। उसके बाद अमेरिका स्वयं को वैश्विक महाशक्ति के साथ साथ वैश्विक थानेदार के रूप में भी स्वयं को देखने लगा। और लगभग विश्व के सभी देशों के आंतरिक मामलों पर नजर रखने लगा। धीरे धीरे प्रत्येक दो पड़ोसी देशों के आपसी मतभेदों,तनाव अथवा सीमा विवाद का लाभ उठाकर अमेरिका ने दुनिया भर के तमाम देशों में अपने सैन्य अड्डे बनाने व अमेरिकी सैनिकों की तैनाती करनी शुरू कर दी। एक अनुमान के अनुसार इस समय विश्व भर में अमेरिका के लगभग 750 से अधिक सैन्य अड्डे मौजूद हैं। ये अड्डे लगभग 80 अलग अलग देशों में फैले हुए हैं। इनमें स्थायी बेस, एयरबेस, नौसैनिक अड्डे, लॉजिस्टिक सेंटर और छोटे ह्वलिली पैडह्व फारवर्ड ऑपरेटिंग लोकेशन आदि शामिल हैं। पेंटागन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2026 के आसपास करीब 1,08,000 से अधिक अमेरिकी सैनिक लगभग 160 देशों में तैनात या अग्रिम रूप से मौजूद हैं। अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सैन्य अड्डों से कहीं अधिक देशों में फैली हुई है। जापान, जर्मनी और दक्षिण कोरिया की गिनती उन देशों में हैं जहाँ अमेरिकी सैन्य अड्डों और अमेरिकी सैनिकों की तैनाती सबसे अधिक है।

दूसरी तरफ 1970झ80 के दशक में चीन की ह्वभविष्य की महाशक्तिह्व के रूप में कल्पना की जाने लगी। और 1990झ2000 के दशकआते आते उसे एक ह्वउदयमान महाशक्तिह्व के रूप में देखा जाने लगा। और 2010 के बाद से तो चीन को व्यावहारिक रूप से अमेरिका के बराबर या उसके बाद आने वाली वास्तविक वैश्विक महाशक्ति के रूप में गिना जाने लगा। गोया चार दशकों पहले तक जो चीन, दुनिया के सबसे गरीब देशों में गिना जाता था वही देश 1978 के बाद के सुधारों से तेजी से बढ़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया और आज वैश्विक उत्पादन व सप्लाई चेन में उसकी केंद्रीय भूमिका है। बड़े पैमाने पर निर्माण, निर्यात-आधारित विकास, विदेशी निवेश के लिए खुले विशेष आर्थिक क्षेत्र, और कम लागत वाली श्रमशक्ति ने चीन को विश्व अर्थव्यवस्था की धुरी बना दिया। इसी अवधि में चीन ने अपनी सेना को आधुनिक बनाया, नौसेना, मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में भारी निवेश किया, जिससे उसे केवल विश्व की आर्थिक नहीं बल्कि सामरिक महाशक्ति के रूप में भी देखा जाने लगा। 5ऋ्ढ़ एआई, अंतरिक्ष प्रक्षेपण और हाई-टेक विनिर्माण में उसकी तेज प्रगति ने ह्वमेड इन चाइना 2025ह्व जैसी रणनीतियों के तहत तकनीकी महाशक्ति की छवि को भी विश्व स्तर पर मजबूत किया। बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और यूरोप में आधारभूत संरचना पर निवेश व ऋण देकर चीन ने अपनी भू-राजनीतिक पकड़ और कूटनीतिक शक्ति को बढ़ाया, जो महाशक्ति का एक प्रमुख गुण माना जाता है। साथ ही ताइवान, दक्षिण चीन सागर और सीमा विवादों पर उसकी मुखर नीति ने भी यह संदेश दिया कि वह क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति के स्तर पर खेलना चाहता है। परन्तु अमेरिका व चीन की वैश्विक नीतियों में यह बड़ा अंतर भी रहा कि चीन ने अमेरिका की तरह दूसरे देशों से थानेदार जैसा बर्ताव करने के बजाये क्षेत्रीय मामलों में गैर जरूरी दखलअंदाजी से परहेज किया। दूसरे देशों की प्राकृतिक सम्पदाओं पर गिद्ध दृष्टि नहीं रखी। दो देशों को,आपस में लड़ाकर अपने हथियार बेचना,किसी देश पर कब्जा कर लेना, धमकाना या किसी राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर लेना जैसी छिछोरी नीति नहीं अपनाई।

चीन और शी जिननपिंग तथा अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप की इन्हीं नीतियों का परिणाम पिछले दिनों अमेरिकी रिसर्च संस्था ढीह्д शोध केंद्र के ताजातरीन वैश्विक सर्वे में परिलक्षित होकर सामने आया है। इस सर्वे में यह पाया गया कि अमेरिका के मुकाबले चीन की और ट्रंप के मुकाबले शी जिनपिंग की विश्व में लोकप्रियता व उनके प्रति विश्व में भरोसा बढ़ा है। अमेरिकी रिसर्च संस्था द्वारा यह सर्वे पिछले दिनों 36 देशों में किया गया। सर्वे के निष्कर्षों के अनुसार 36 में से लगभग 25 देशों में लोगों ने चीन के प्रति अमेरिका की तुलना में अधिक सकारात्मक राय व्यक्त की। इसी सर्वे में विश्व मामलों को संभालने की क्षमता व विश्वसनीयता के मामले में शी जिनपिंग को डोनाल्ड ट्रंप से अधिक विश्वास मिला। इस सर्वे में पहली बार यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से नजर आई कि कई देशों में चीन की छवि अमेरिका से अधिक सकारात्मक हो गई है, जबकि पिछले दो दशकों में आमतौर पर अमेरिका की छवि चीन से बेहतर रहती थी। 27 देशों में लोगों ने चीन को अमेरिका से अधिक अनुकूल रूप में देखा। यानी चीन को बेहतर सहभागी, निवेशक और स्थिर शक्ति माना। कई देशों में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने की क्षमता के मामले में भी शी जिनपिंग पर डोनाल्ड ट्रंप की तुलना में अधिक भरोसा जताया। आश्चर्य तो यह है कि जिन 36 में से लगभग 22 देशों में लोगों ने शी जिनपिंग को ट्रंप से बेहतर या अधिक पसंदीदा नेता माना इनमें कनाडा, मैक्सिको, फ़्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे महत्वपूर्ण पश्चिमी देश भी शामिल हैं। ट्रंप के नेतृत्व पर भरोसा कई देशों में बहुत कम रहा। एक पुराने वैश्विक सर्वे में भी 70% उत्तरदाताओं ने ट्रंप पर अंतरराष्ट्रीय मामलों में भरोसा नहीं जताया था जो कि उनके प्रति लंबे समय से चली आ रही शंकाओं को दिखाता है। कई विकासशील देशों को यह भी लगता है कि चीन उन्हें सड़कों, बंदरगाहों, उद्योग और डिजिटल आधारभूत संरचना में तत्काल मदद दे रहा है, जबकि अमेरिका की मदद प्रायः राजनीतिक शर्तों पर आधारित तथा सुरक्षा गठबंधनों से बंधी हुई होती है। चीन ने एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और यूरोप के कई हिस्सों में आधारभूत संरचना में निवेश, लोन, बेल्ट ऐंड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए ह्वविकास साझेदारह्व की छवि बनाई है, जिससे वहाँ के आम लोगों में चीन को अवसर देने वाली शक्ति के रूप में देखा गया। इसी सर्वेक्षण और इसके विश्लेषणों में खुलकर कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन के दौरान कई फैसलों ने अमेरिकी छवि को काफी नुकसान पहुँचाया है। जैसे सहयोगी देशों के साथ तनावपूर्ण संबंध, विदेशी सहायता में कटौती, कठोर व्यापार विवाद और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से दूरी,ट्रंप की बोल भाषा, मुस्लिम देशों, आप्रवासियों और सहयोगियों के प्रति उनके विवादित बयान, नाटो, यूरोपीय यूनियन और अंतरराष्ट्रीय संगठनों पर बार बार हमले जैसे कारकों ने उन्हें व्यक्तिगत स्तर पर भी व उनके साथ ही अमेरिका के प्रति भी दुनिया का भरोसा कम किया है। रही सही कसर ईरान-इस्त्राईल,मध्य पूर्व,वेनेजुएला व यूक्रेन आदि के प्रति ट्रंप की नीतियों ने पूरी कर दी। कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप की नीतियां ही विश्व में अमेरिका की साख गिरने की जिम्मेदार हैं।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच?

ओटावा, एजेंसी। कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है। यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे। नाले से जब युवक को बाहर निकाला गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त 29 वर्षीय तरनप्रीत सिंह सिद्धू के रूप में हुई है। तरनप्रीत साल 2022 में भारत से कनाडा आए थे। वह ब्रैम्पटन शहर में ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। इससे पहले वह हैलिफ़ैक्स में भी रह चुके थे। हैमिल्टन पुलिस अब पील रीजनल पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में जुट गई है। सीसीटीवी खंगालना : पुलिस की टीमें इलाके के डिजिटल एविडेंस, सर्विलांस फुटेज और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही हैं। संदेहास्पद गाड़ी : पुलिस को उस गाड़ी की तलाश है, जिससे शव को नाले तक लाया गया। हालांकि, अभी तक इस गाड़ी की कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

खामेनेई के किस बयान पर ईरान ने दी यूएस को चेतावनी? कहा- बात समझ आ गई हो तो तुरंत भाग जाएं अमेरिकी सैनिक

तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के हालिया बयान का असली मतलब समझ लें, तो वे भागने में एक सेकंड भी बर्बाद नहीं करेंगे। खामेनेई ने हाल ही में अमेरिका को कभी न भूलने वाले सबक (अविस्मरणीय सबक) सिखाने की बात कही थी। अजीजी का यह बयान तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने देश के नाम अपने संदेश में अमेरिका पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने अमेरिका को 'महान शैतान' (ग्रेट सैटन) कहा। खामेनेई ने घोषणा की कि 14 सूत्रीय सहमति पत्र पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और साखहीन हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने ईरान पर सैन्य हमले जारी रखे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) उसे ऐसे सबक सिखाएंगे जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा। खामेनेई ने अमेरिका पर ईरान के साथ समझौतों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर वाशिंगटन की बेईमानी, अतार्किकता, अविश्वसनीयता और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को उजागर कर दिया है। खामेनेई के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को अमेरिका ने बार-बार तोड़ा है। इससे यह बुनियादी सच सामने आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती, तानाशाही और क्रूरता अमेरिकी नीतियों के मुख्य हिस्से हैं। अमेरिकी हरकतों ने उसका असली और बेनकाब चेहरा सबके सामने ला दिया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष : अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों को किया सतर्क; क्या और बिगड़ेंगे हालात?

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दुनियाभर में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। अमेरिका और ईरान की ओर से क्षेत्र में बढ़ी सैन्य गतिविधियों के बीच अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में दुनियाभर में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में मौजूद लोगों से अधिक सतर्क रहने और तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी। बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण जटिल सुरक्षा माहौल बना हुआ है और अचानक हालात बिगड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे लगातार समाचार देखते रहें, ताकि नई जानकारी मिलती रहे। साथ ही, अपने सबसे नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। बयान में आगे कहा गया, हम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने की याद दिलाते हैं और उन्हें सलाह देते हैं कि वे ताजा घटनाक्रम की जानकारी के लिए समाचार देखते रहें। विदेश मंत्रालय दुनियाभर के अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में रहने वालों को अधिक सतर्क रहने की सलाह देता है।

जुलाई महीने में अमेरिकी हमलों में 50 मौतें; मोजतबा बोले- ट्रंप के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य'

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ जारी जंग के बीच कभी न भूलने वाले सबक सिखाने की चेतावनी दी है। शनिवार को खामेनेई ने कहा, अगर अमेरिकी सेना इस्लामी गणराज्य पर हमला करना जारी रखता है तो उसे 'अविस्मरणीय अंजाम' भुगतने को तैयार रहना चाहिए। खामेनेई ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को भी 'बेकार और अमान्य' करार दिया। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब कुछ घंटे पहले शांति समझौते से जुड़े एक वार्ताकार ने कहा कि तेहरान लगभग एक महीने पहले हुई डील को खत्म कर रहा है। करीब 112 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है। मोजतबा खामेनेई युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक सामने नहीं आए हैं। उनके नाम से जारी बयान सरकारी टेलीविजन पर तब पढ़ा गया। इस बयान से पहले अमेरिका ने ईरान के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए।

जॉर्डन में ईरानी सेना की कार्रवाई, दो सैनिकों की मौत : अमेरिकी सेना ने बताया कि शुक्रवार को जॉर्डन में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमले में दो सैनिक मारे गए और एक लापता है। युद्ध की शुरुआत के बाद यह सीधे ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिकों की पहली मौत है। मारे गए सैनिकों की पहचान नहीं बताई गई है।

मोजतबा की अमेरिका को 'कभी न भूलने वाले सबक' सिखाने की चेतावनी : ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक नए बयान में चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका हमले जारी रखता है, तो उसे 'कभी न भूलने वाले सबक' सिखाए जाएंगे। खामेनेई का यह बयान सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया; युद्ध शुरू होने के बाद से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को 'बेकार और अमान्य' भी बताया। इससे पहले शनिवार को ईरान के एक वार्ताकार ने कहा था कि तेहरान उस अंतरिम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को रोक रहा है, जिस पर दोनों देशों ने लगभग एक महीने पहले हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का मकसद युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना था।

दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला लड़ाकों पर इस्राइल का हमला : इस्राइली सेना ने कहा है कि उसकी फोर्स ने आज लेबनान के तेबनित इलाके में हिजबुल्ला लड़ाकों पर हमला किया। एक बयान में, इस्राइली सेना ने दावा किया कि हिजबुल्ला के सदस्य उस इलाके के पास 'ड्रोन उड़ा रहे थे और छिपकर कार्रवाई कर रहे थे' जहां इस्राइली सैनिक तैनात थे; सेना के मुताबिक, यह सीजफायर समझौते का उल्लंघन था। 'सीजफायर के दौरान भी इस्राइल ने लेबनान में लगातार घातक हमले किए हैं। सऊदी ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन के खिलाफ ईरान के 'आक्रामकता' की निंदा की सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह कुवैत, बहरीन और जॉर्डन के खिलाफ ईरान की लगातार बेरहम आक्रामकता की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह ईरान के हमलों के खिलाफ उन देशों द्वारा उठाए गए कदमों का पूरा समर्थन करता है; ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और अच्छे पड़ोसी संबंधों के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। सऊदी अरब का यह बयान कतर और त्रष्टष्ट प्रमुख जसीम अल-बुदैवी द्वारा खाड़ी क्षेत्र के पड़ोसी देशों पर ईरान के हालिया हमलों की निंदा किए जाने के बाद आया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य'- मोजतबा : ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक लिखित बयान जारी कर कहा है कि ईरान के साथ हुए समझौतों का अमेरिका द्वारा बार-बार उल्लंघन यह दिखाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य' हैं। यह बयान ईरान के प्रसारक ने जारी किया।

ईरान के होर्मोजगन प्रांत में अमेरिका के तीन हमले- ईरानी मीडिया : ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर' की रिपोर्ट के अनुसार, आज अमेरिका ने ईरान के होर्मोज़गन प्रांत में सिरिक के पास के इलाकों को निशाना बनाते हुए तीन हवाई हमले किए। मेहर की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे हालिया हमला 16:40 बजे हुआ। होर्मोजगन के गवर्नर ने बताया कि किसी भी नागरिक के हताहत होने की खबर नहीं है।

पाकिस्तान-इस्राइल में होने वाली थी डील': इमरान खान की बहन का दावा, क्या मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने की साजिश?

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी ने एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई जंग को भारत ने केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने की तैयारी कर रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। नोरीन के इस बयान के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार पर चौतरफा हमले शुरू हो गए हैं।

नोरीन नियाजी ने मई 2025 के सैन्य संघर्ष को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान की सेना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि भारत बड़ी आसानी से जवाबी कार्रवाई कर सकता था। लेकिन भारत ने इस्राइल के कहने पर अपनी सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने वाला था। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए यह भी दावा किया कि पाकिस्तान और इस्राइल के बीच पहले से ही गुप्त बातचीत चल रही थी। नोरीन नियाजी ने यह भी दावा किया कि इस पूरे सैन्य टकराव की पटकथा केवल इसलिए रची गई थी ताकि पाकिस्तान की सेना की छवि को जनता के बीच सुधारा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का नाम लिया। इस संघर्ष के बाद ही जनरल आसिम मुनीर को प्रमोट करके 'फील्ड मार्शल' का सर्वोच्च पद दिया गया था। नियाजी ने इसे साल 2020 के 'अब्राहम अकॉर्ड्स' से भी जोड़ा, जिसके तहत कई अरब देशों ने इस्राइल के साथ रिश्ते सामान्य किए थे।

आतंकी हमलाः अप्रैल 2025 में पहलगाम में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। भारत का पलटवारः भारत ने सात मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया।

नेपाल के सिक्कों से हटेगा विवादित नक्शाः एक-दो रुपये के कॉइन पर दिखेगा 7वीं सदी का मठ, क्या है तैयारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों पर बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। अब इन सिक्कों से नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा हटाकर उसकी जगह सातवीं शताब्दी के ऐतिहासिक 'लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री' (मठ) की तस्वीर अंकित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने इस ऐतिहासिक फैसले की पुष्टि की है। इस सप्ताह की शुरुआत में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल राष्ट्र बैंक को एक और दो रुपये मूल्यवर्ग के नए डिजाइन के सिक्के जारी करने की मंजूरी दे दी गई। गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में सिक्कों के डिजाइन में बदलाव का यह अंतिम फैसला लिया गया, जिसके बाद गृह मंत्रालय और केंद्रीय बैंक को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश भेज दिए गए हैं। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरुप्रसाद पौडेल ने बताया कि सरकार की मंजूरी मिलने का साफ मतलब है कि सिक्कों का डिजाइन अब बदल चुका है। सूचना एवं संचार मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए सिक्कों में सुरक्षा के बेहतर इंतजाम और नए डिजाइन शामिल होंगे, जिससे कम मूल्यवर्ग की मुद्रा का प्रबंधन आसान हो जाएगा। नेपाल राष्ट्र बैंक अब मुस्टंग जिले के मारंग गांव में स्थित 7वीं सदी के लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री की तस्वीर को सिक्कों के अग्रभाग पर उकेरने की तैयारी कर रहा है। यह मठ नेपाल का सबसे पुराना मठ माना जाता है। मान्यता है कि इस ऐतिहासिक मठ का निर्माण गुरु पद्मसंभव ने करवाया था। सिक्कों पर इस मठ की तस्वीर आने के बाद साल 2020 में जारी किया गया नेपाल का विवादित राजनीतिक नक्शा अपने आप सिक्कों से हट जाएगा। आपको बता दें कि नेपाल के संविधान संशोधन के बाद लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्रों को शामिल कर साल 2078 (विक्रम संवत) में 'चुच्चे' (नकीला) नक्शे वाला सिक्का जारी किया गया था। अब करीब पांच साल बाद इस नक्शे को सिक्कों से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरीः नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों के नए डिजाइन को आधिकारिक तौर पर हरी झंडी दे दी है। नक्शा हटाने का फैसलाः साल 2020 में जारी किए गए नए राजनीतिक नक्शे को अब सिक्कों से हटा दिया जाएगा।

ईरान की दो-टूक, चाबहार पर यूएस का हमला 'युद्ध अपराध'; जंग-टकराव पर जीसीसी और अरब लीग क्या बोले?

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दो-टूक लहजे में कहा है कि जंग के बीच चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी सेना का हमला स्पष्ट 'युद्ध अपराध' है। इस जंग और टकराव पर और अरब लीग की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। ईरानी सेना की कार्रवाई की निंदा करते हुए अरब और खाड़ी देशों ने बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की है। भारत में ईरानी दूतावास ने अमेरिकी सेना की कार्रवाई को लेकर कहा, 'शनिवार को चाबहार स्थित ईरान के शाहिद कलांतरी बंदरगाह पर अमेरिकी हमले में निगरानी टावर नष्ट हो गया। नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाए जाने की ये घटना 'युद्ध अपराध' है।

शनिवार को एक्स हैंडल पर जारी एक बयान में भारत में ईरानी दूतावास ने कहा, अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन करते हुए चाबहार बंदरगाह पर हमले किए।दूतावास ने संपत्तियों की रक्षा और अमेरिका के दायित्वों का जिक्र करते हुए कहा, नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर, अमेरिका ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा है। सशस्त्र संघर्ष के दौरान अमेरिका ने संपत्तियों की रक्षा के अपने दायित्वों की भी अवहेलना की है।

बकौल अरब लीग प्रमुख फहमी, कुवैत, कतर, बहरीन, जॉर्डन और इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र पर ईरान के हमलों की बढ़ती गति उसके आक्रामक दृष्टिकोण को दिखाती है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, इसे बर्दाश्त या स्वीकार नहीं किया जा सकता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रालय ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की। यूएई ने कहा कि ये शत्रुतापूर्ण कार्रवाई 'भाईचारे वाले देशों की संप्रभुता का घोर उल्लंघन' हैं। बहरीन, कुवैत और जॉर्डन के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए यूएई ने कहा, ये हमले उनकी सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा हैं। यूएई ने आत्मरक्षा के सभी उपायों का समर्थन करने की बात भी कही।

कुवैत में बिजली और पानी से जुड़े नेटवर्क को सीधे निशाना बनाए जाने का जिक्र करते हुए कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा, हमले सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुके हैं। दोहा ने कहा, ईरान के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन हैं। कतर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 2817 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा, मौजूदा सैन्य अभियान उकसावा है जो खतरनाक तरीके से आगे बढ़ रहा है। इससे तनाव को नियंत्रित करने के प्रयासों को झटका लगेगा। ईरान और अमेरिका के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर चुके कतर ने एक बार फिर दोनों पक्षों से शत्रुता को तत्काल समाप्त करते हुए राजनयिक वार्ता बहाल करने की अपील भी की। मिस्र ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन को निशाना बनाने वाली ईरानी आक्रामकता की निंदा करते हुए कहा, इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ रही है। कुवैत ने भी तेल संयंत्रों, बिजली स्टेशनों और जल संयंत्रों पर ईरानी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की। अमेरिका से शांति समझौता खत्म?ः ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की धमकी, कहा-सिखाएंगे कभी न भूलने वाला सबक गौरतलब है कि करीब 110 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है।

ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं': शांति समझौता टूटने पर भड़के मोजतबा खामेनेई, दे डाली ये धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में हुए शांति समझौते का उल्लंघन किया है। इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नही है। यह पूरी तरह से बेकार और अमान्य हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, खामेनेई ने देश की जनता के नाम भेजे एक संदेश में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने समझौते को तोड़कर अपना असली और बेनकाब चेहरा दिखा दिया है। यह अमेरिका के झूठ, अतार्किक, अविश्वसनीय और बुरे स्वभाव का एक और ठोस सबूत है। इसके साथ ही खामेनेई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने युद्ध भड़काने की कोशिशें जारी रखीं, तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिकी हमले जारी रहे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएगा जिसे वह कभी नहीं भूल पाएगा। यह तनाव उस शांति समझौते के बावजूद बढ़ा है, जिसके तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते के लिए बातचीत करनी थी। इस समझौते पर 18 जून को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे।

ईरान के कानूनी और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने शनिवार को एक बड़ा एलान किया। उन्होंने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान ने इस समझौते के तहत अपनी सभी जिम्मेदारियां पूरी करना बंद कर दिया है। उन्होंने अमेरिका पर समझौते के सभी वादों को तोड़ने या निलंबित करने का आरोप लगाया। गरीबाबादी ने साफ किया कि अब बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान का पूरा ध्यान अपनी रक्षा करने पर है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों का करारा जवाब दिया जा चुका है और अमेरिका को समझदारी दिखाते हुए दूसरा रास्ता चुनना चाहिए। बता दें कि, पिछले एक हफ्ते में अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों में सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचों पर कई हवाई हमले किए हैं। अमेरिका का दावा है कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए किए गए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं। शनिवार को कुवैत और बहरीन ने बताया कि उनके हवाई रक्षा तंत्र ने ईरान के हवाई हमलों को रोका है। इन हमलों में कुवैत के एक मुख्य तेल केंद्र और बिजली उत्पादन व पानी को खारेपन से मुक्त करने वाले संयंत्र को नुकसान पहुंचा है।

सैनिकों की मौत से बौखलाया अमेरिका, ईरान को सजा देने के लिए नए सिरे से हवाई हमले

तेहरान, एजेंसी। ईरान के हमले में अपने सैनिकों की मौत से बौखलाए अमेरिका ने नए सिरे से एयर स्ट्राइक की शुरुआत की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक ईरान को दंडित करने के लिए नए सिरे से हवाई हमले किए जा रहे हैं। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें ईरान और अमेरिका के टकराव से पश्चिम एशिया में उपजे तनाव से जुड़े तमाम अपडेट्स ईरान के एक बड़े नेता इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक उनके सुप्रीम लीडर के तेवरों को समझ लें, तो वे एक सेकंड गंवाए बिना वहां से भाग खड़े होंगे। हाल ही में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता टूट गया है। इसके बाद से दोनों तरफ से लगातार हमले हो रहे हैं। अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर बमबारी की है, तो ईरान समर्थित गुटों ने भी अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने भी अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अमेरिका को 'महाशैतान' कहते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दस्तखत को पूरी तरह रद्दी बताया है। खामेनेई का कहना है कि अमेरिका कभी अपनी बात पर नहीं टिकता और हमेशा धोखेबाजी करता है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने अपने हमले नहीं रोके, तो ईरान और उसके साथी देश अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएंगे जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। अमेरिका ने लगातार आठवीं रात भी ईरान पर हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए उस हमले के जवाब में की जा रही है, जिसमें दो अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सैनिकों की मौत दुखद है, लेकिन ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार नहीं बनाने दिया जाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप के बयान को खारिज करते हुए कहा कि उनके हस्ताक्षर की कोई अहमियत नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर हाल में हुए समझौते को तोड़ने का आरोप भी लगाया। कुवैत का कहना है कि ईरान के हवाई हमले में उसकी सरकारी तेल कंपनी की एक इकाई को नुकसान पहुंचा है। इससे पहले भी बिजली और पानी के एक संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया गया था। इराक के एरबिल शहर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश हुई। इसके बाद वहां हवाई सुरक्षा प्रणाली तुरंत सक्रिय कर दी गई।

तलवार हमारी और गला आपका होगा': कट्टरपंथी गुट ने पेजेशकियन को दी चेतावनी; क्या ईरान में बढ़ेगा सत्ता संघर्ष?

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद देश में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। लंबे समय तक देश का नेतृत्व करने वाले खामेनेई को अंतिम विदाई देने का कार्यक्रम शांतिपूर्ण होना था। लेकिन इसके बजाय वहां सत्ता की अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी गुट राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ हो गए हैं, जिन पर अमेरिका के साथ शांति वार्ता करने का आरोप है। खामेनेई के जनाजे में दिखा गुस्सा अब ईरान की राजनीति तक पहुंच गया है। नेताओं पर विश्वासघात, तख्तापलट की साजिश और आत्मसमर्पण जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

जनाजे में ही शुरू हुआ विरोध : जब राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन तेहरान में खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब वहां मौजूद कुछ लोगों ने सिर्फ शोक नहीं मनाया, बल्कि राष्ट्रपति के खिलाफ भी नारे लगाए। भीड़ ने 'समझौता करने वालों की मौत हो' जैसे नारे लगाए। विदेश मंत्री अब्बास अराघची को भी जनाने के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा, , जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के साथ संघर्ष विराम पर बातचीत की थी और सीमित प्रतिबंधों में राहत दिलाने में भूमिका निभाई थी। प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर फेंके और उन्हें 'देश बेचने वाला गद्दार' कहा। इसके बाद उन्हें वहां से जाना पड़ा। इन घटनाओं से साफ हुआ कि ईरान के कट्टरपंथी गुटों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका मानना है कि देश के नेताओं ने खामेनेई की क्रांतिकारी सोच छोड़कर अमेरिका के साथ समझौता किया, जबकि उन्हें उनकी मौत का बदला लेना चाहिए था।

नए सर्वोच्च नेता कहां हैं: सियासी संकट को और बढ़ाने वाली बात यह है कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने अपने पिता के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। लेकिन अब तक बहुत कम सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। उनकी

चुप्पी से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कट्टरपंथी सवाल उठा रहे हैं कि क्या वह शासन चलाने की स्थिति में नहीं हैं या फिर उनके आसपास के अधिकारी उनकी गैरमौजूदगी में सत्ता संभाल रहे हैं। सख्त रुख रखने वाले गुटों का आरोप है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची नए सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पूरी तरह पालन किए बिना बड़े फैसले ले रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले ईरान मामलों के विशेषज्ञ आराश अजीजी ने कहा कि मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी के कारण दूसरे नेता देश का प्रमुख चेहरा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोजतबा की लगातार गैरमौजूदगी का मतलब है कि लोगों की उन तक पहुंच नहीं है। इसी वजह से गालिबाफ और उनके सहयोगी देश की कमान संभालते दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण कट्टरपंथी गुट गालिबाफ और पेजेशकियन पर मोजतबा के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं।

तख्तापलट के आरोप : ये आरोप अब खुलकर लगाए जा रहे हैं। खामेनेई के जनाजे से कुछ दिन पहले सख्त रुख रखने वाले सांसद महमूद नबावियान ने एक्स पर लिखा, ईरान के लोगों को चेतावनी, क्या तख्तापलट होने वाला है? जनाजे के बाद उन्होंने फिर कहा, शहीद इमाम खामेनेई को विदाई देते समय हम उनके खून का बदला लेने का झंडा उठाते हैं और तख्तापलट के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। कट्टरपंथियों का कहना है कि ईरान के नेता संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं, अमेरिका से बातचीत के दौरान सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं और देश की क्रांतिकारी संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। एक अन्य कट्टरपंथी सांसद कामरान गजनफारी ने आरोप लगाया कि सत्ता को पारंपरिक संस्थाओं से हटाकर दूसरे संस्थानों की ओर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की भूमिका बढ़ाई जा रही है, जबकि सर्वोच्च नेता और संसद की भूमिका कम की जा रही है। उनके अनुसार, यही सियासी तख्तापलट है, जिसे धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है। सियासी आरोपों के साथ-साथ धमकियां भी दी जा रही हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष दोबारा शुरू होने से पहले सुरक्षा तंत्र से जुड़े मजहबी गायक मोहम्मद अली बख्शी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति पेजेशकियन को खुली चेतावनी दी।

ब्रेन में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज है सबसे बेहतर तरीका

एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने मस्तिष्क के लिए अधिक ऑक्सीजन प्राप्त करने के एकमात्र तरीके पर ध्यान केंद्रित करते हुए अध्ययन किया है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाकर मस्तिष्क को अधिक रक्त प्राप्त करने में मदद करता है। इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह देखने में रुचि दिखाई कि ब्रेन ऑक्सीजन का स्तर प्राकृतिक व्यवहार और विशेष रूप से व्यायाम से कैसे प्रभावित होता है।

इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने सभी स्तनधारियों पर लागू एक सच्चाई का खुलासा किया है, जिसमें कहा गया है कि व्यायाम करने पर रक्त चूहे के दिमाग में अधिक ऑक्सीजन ला सकता है क्योंकि जब वे व्यायाम करते हैं, तो बढ़ी हुई श्वसन हीमोग्लोबिन में अधिक ऑक्सीजन पैक होता है।

पैट्रिक जे. ड्रयू न्यूरल इंजीनियरिंग और न्यूरोसर्जरी के हूक प्रतिष्ठित एसोसिएट प्रोफेसर और पेन स्टेट न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट के एसोसिएट डायरेक्टर, के अनुसार, मानक विचार यह था कि स्तनधारी रक्त हमेशा पूरी तरह से ऑक्सीजन से संतृप्त होता है। शोधकर्ताओं ने जर्नल ऑफ नेचर कम्युनिकेशंस में अध्ययन की सूचना दी।

ड्रयू ने कहा कि हम जानते हैं कि लोग संज्ञानात्मक कार्यों को करते समय श्वास पैटर्न बदलते हैं। वास्तव में, श्वसन चरण हाथ में काम को बंद कर देता है और मस्तिष्क में, तंत्रिका गतिविधि में वृद्धि आमतौर पर रक्त प्रवाह में वृद्धि के साथ होती है। हालांकि, वास्तव में शरीर में जो हो रहा है वह अज्ञात था, इसलिए शोधकर्ताओं ने चूहों का इस्तेमाल किया, जो ट्रेडमिल पर चलना या दौड़ना चुन सकते थे और उनकी श्वसन, तंत्रिका गतिविधि, रक्त प्रवाह और मस्तिष्क ऑक्सीकरण पर नजर रखी। इंजीनियरिंग साइंस और मकैनिक्स में पोस्टडॉक्टरल फेलो, किंग गुआंग झांग ने कहा, हमने अनुमान लगाया कि मस्तिष्क ऑक्सीकरण तंत्रिका गतिविधि और रक्त प्रवाह पर निर्भर करेगा। हमें उम्मीद थी कि अगर रक्त का प्रवाह कम हो जाता है, तो मस्तिष्क के आगे के हिस्से में ऑक्सीजन आ जाएगा। हमने सोचा था कि ऐसा होगा, लेकिन तब हमें एहसास हुआ कि यह श्वसन था जो ऑक्सीजन को बनाए रख रहा था। इसलिए यह एकमात्र तरीका यह हो सकता है कि व्यायाम रक्त को अधिक ऑक्सीजन ले जाने का कारण बन रहा है, जिसका अर्थ होगा कि रक्त सामान्य रूप से ऑक्सीजन से पूरी तरह से संतृप्त नहीं था। उन्होंने श्वसन, रक्त प्रवाह और ऑक्सीकरण की निगरानी के लिए कई तरीकों का इस्तेमाल किया। जिसमें कि उन्होंने तंत्रिका गतिविधि और रक्त वाहिका फैलाव को दबाते हुए ऑक्सीजन के स्तर का भी परीक्षण किया। इसमें शोधकर्ताओं के अनुसार, जब तंत्रिका गतिविधि और कार्यात्मक हाइपरमिया (रक्त प्रवाह बढ़ता है) अवरुद्ध हो गया था, तो ऊतक और मस्तिष्क को भोजन देने वाली धमनियों में दोनों अवरुद्ध हो गए थे और श्वसन दर और श्वसन चक्र के चरण के साथ कसकर संबंधित थे। इस आधार पर निष्कर्ष निकलते हैं कि श्वसन सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन को संशोधित करने के लिए एक गतिशील मार्ग प्रदान करता है।

स्टफ्ड छोला पराठा

सामग्री

- 2 कप गेहूं का आटा
- 1/2 टीस्पून घी
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- आवश्यकतानुसार

स्टफिंग के लिए
- मसाला छोले
- 2 टेबलस्पून बारीक कटा हुआ हरा प्याज
- छोटी चम्मच हींग

विधि

आटे में घी, नमक और 1 चम्मच तेल मिलाकर पानी की सहायता से गूंथ लें। गूंथे हुए आटे को 15-20 मिनट के लिए रख दें। एक बोल में मसाला छोले, हरा प्याज, हींग और अतिरिक्त मसाले डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब परांठे की स्टफिंग तैयार है। आटे की लोइयां तैयार कर उन्हें बेल लें। एक चम्मच स्टफिंग उस पर रखने के बाद चारों तरफ से मोड़ कर बंद कर दें। अब इस छोले भरी लोई को चपटा कर थोड़ा सा बड़ा कर लें। बेले हुए परांठे को तवे पर डालकर दोनों तरफ से तेल लगाकर ब्राउन होने तक खस्ता सेके। स्टफ्ड परांठे को अचार, चटनी, सब्जी, दही व सैलेड के साथ गरमा-गरम सर्व करें।

पत्तागोभी मंचूरियन

सामग्री

- मैदा- 1/3 कप
- पत्तागोभी- 3/4 कप (कद्दूकस किया हुआ)
- गाजर- 3/4 कप (कद्दूकस किया)
- शिमला मिर्च- 1/2 (कद्दूकस की हुई) हरी मिर्च- 1 (बारीक कटी)
- काली मिर्च- 1/2 पिंच
- कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून
- नमक- स्वादानुसार
- तेल- डीप फ्राई के लिए

ग्रेवी के लिए
- तेल- 2 टेबलस्पून
- अदरक- 2 टीस्पून (कद्दकस किया)
- लहसुन- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा)
- काली मिर्च- 1 टीस्पून
- कॉर्नफ्लोर- 2 टेबलस्पून
- सोया सॉस- 2 टेबलस्पून
- टोमैटो सॉस- 2 टेबलस्पून
- चिली सॉस- 1/2 टेबलस्पून
- नमक- स्वादानुसार
- विनेगर- 1 टीस्पून
- प्याज- 2 टेबलस्पून (बारीक कटा)
- हरा धनिया- 1 टेबलस्पून (बारीक कटा)

विधि

एक मिक्सिंग बाउल में कद्दूकस किया हुआ गाजर, पत्तागोभी, शिमला मिर्च, हरी मिर्च, तेल, काली मिर्च पाउडर, मैदा, कॉर्नफ्लोर, नमक और बहुत ही थोड़ा सा पानी डालकर इसे अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इस मिक्सचर से छोटे-छोटे बॉल्स बना लें। पैन में तेल गरम करें और जब तेज गर्म हो जाएं, तब इसमें बॉल्स को डालकर गोल्डेन ब्राउन होने तक डीप फ्राई कर लें और अलग रख दें। ग्रेवी बनाने के लिए एक बाउल में कॉर्नफ्लोर और पानी डालकर पेस्ट बना लें। फिर एक पैन में तेल गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए, तब इसमें अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर एक मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें सोया सॉस, चिली सॉस और टोमैटो सॉस डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें 2 कप पानी, काली मिर्च और नमक डालकर एक उबाल आने तक पका लें। इसके बाद इसमें कॉर्नफ्लोर का पेस्ट डालकर अच्छे से मिक्स कर लें और धीमी आंच पर एक मिनट तक पका लें। फिर इसमें पत्तागोभी के बॉल्स को डालकर 3 मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बारीक कटे प्याज और हरा धनिया से गार्निश करके सर्व करें।

सिर्फ मेवा नहीं सेहत का खजाना है बादाम, इसके ये फायदे भी जानें

बादाम सिर्फ एक मेवा नहीं है, बल्कि सेहत का खजाना है। इसके नियमित सेवन से शरीर को ढेरों लाभ मिलते हैं। रोज भीगे हुए बादाम जरूर खाए जाने चाहिए। ना जाने कितनी बार ये सलाह आपके कानों में पड़ी होगी। लेकिन क्या आप इस सलाह को मानते हैं?

अगर आपका जवाब नहीं है तो संभव है कि अब तक आप बादाम में छुपे ढेरों फायदों से रूबरू नहीं हो पाए हैं। यह कई सारी बीमारियों को भी ठीक करने की ताकत छोटे से बादाम में भरपूर मात्रा में होती है। यही वजह है कि दो साल पहले भारत में हुए एक सर्वे में पाया गया कि खुशी के मौके पर 97 प्रतिशत भारतीय बादाम खाना पसंद करते हैं। ऐसा देश के बड़े शहरों में 18 से 35 साल के 3037 लोगों पर किए सर्वे के बाद पाया गया था। आप भी बादाम के नियमित सेवन से अपने और अपने परिवार की सेहत को दुरुस्त कर सकते हैं।

बादाम खाइए, खून नहीं होगा कम : हीमोग्लोबिन की कमी महिलाओं को होने वाली आम परेशानी है। इस परेशानी से अगर आप भी जूझ रही हैं तो हर दिन चार-पांच बादाम खाना शुरू कर दें। दरअसल, बादाम खून बढ़ाने में मदद करता है। लाल रक्त कोशिकाओं के ऑक्सीजन ग्रहण कर पाने की क्षमता को शरीर में मौजूद कुछ पोषक तत्व प्रभावित करते हैं। बादाम खाने से शरीर को ये पोषक तत्व मिलते है, क्योंकि बादाम लाल रक्त कोशिकाओं के ऑक्सीजन ग्रहण करने की क्षमता को बेहतर बनाता है। ऐसा इसमें मौजूद कॉपर और आयरन की वजह से हो पाता है। बादाम को मेवे के रूप में खाने के साथ ही इसे आप आसानी से तरह-तरह के व्यंजनों और पेय पदार्थों का हिस्सा भी बना सकती हैं।

बादाम खाने का सही समय : बादाम खाना तब सबसे अच्छा होता है, जब आपका पेट एकदम खाली हो। इसको तब भी खाया जा सकता है, जब पेट हल्का हो। मतलब शाम को लंच के करीब 3 घंटे बाद। पर ऐसा क्यों होता है, जानना जरूरी है। दरअसल, बादाम तब खाना चाहिए, जब शरीर इसके पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से सोख सके और ऐसा सिर्फ खाली पेट ही संभव है।

प्रदूषक तत्वों से बचाता है बादाम : फ्री रैडिकल्स यानी प्रदूषक तत्व हमारी सेहत के दुश्मन जैसे हैं। ये जितना बढ़ेंगे, उतना ही शरीर में बीमारी फैलने की वजह बनते जाएंगे, जबकि बादाम के छिलके में मौजूद फाइबर, फ्री रैडिकल्स से शरीर की रक्षा करता है। इसके अलावा इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो फ्री रैडिकल्स को संतुलित करते हैं और शरीर को बीमारियों से बचाते हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद : खाना पेट में जाने के बाद शुगर का स्तर क्या होता है, इसी को नापने का पैमाना होता है ग्लाइसेमिक इंडेक्स। अगर शुगर कम रिलीज हो रही है तो ये इंडेक्स लो होगा, ज्यादा तो हाई। चूंकि बादाम का ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होता है, इसलिए यह डायबिटीज के मरीजों की सेहत पर बुरा असर नहीं डालता। बादाम शरीर में शुगर के स्तर को भी संतुलित रखने में मदद करता है। मोटापे के शिकार लोगों के लिए भी यह सेहतमंद स्नैक्स के तौर पर काम आता है।

चमकती रहेगी त्वचा : बादाम विटामिन-ई से भरपूर होता है। इतना ही नहीं, इसमें मैग्नीज, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे मिनरल्स भी प्रचुर मात्रा में होते हैं।

ये भी हैं फायदे

शरीर में बड़ी आंत का हिस्सा होता है कोलोन। इसी हिस्से के कैंसर को खत्म करने की खूबियां भी बादाम खुद में छुपाए हुए है। बादाम का फाइबर इस कैंसर की रोकथाम में सहायक है। बादाम में जलन और सूजन को कम करने की भी क्षमता होती है। सूजन ज्यादा दिन रहे तो अंगों पर गलत असर डालती है। बादाम इस समस्या में राहत देता है। बादाम में वो फैटी एसिड होता है, जो शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। यानी बादाम के नियमित सेवन से दिल को दुरुस्त रखा जा सकता है। इसमें मौजूद मैग्नीज बादाम को एनर्जी बूस्टर भी बनाता है। आंखों के नीचे आने वाली सूजन भी बादाम खाने से कम होती है। गर्भवती महिलाओं के लिए बादाम फायदेमंद होता है। बादाम में फॉलिक एसिड प्रचुर मात्रा में होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 5017

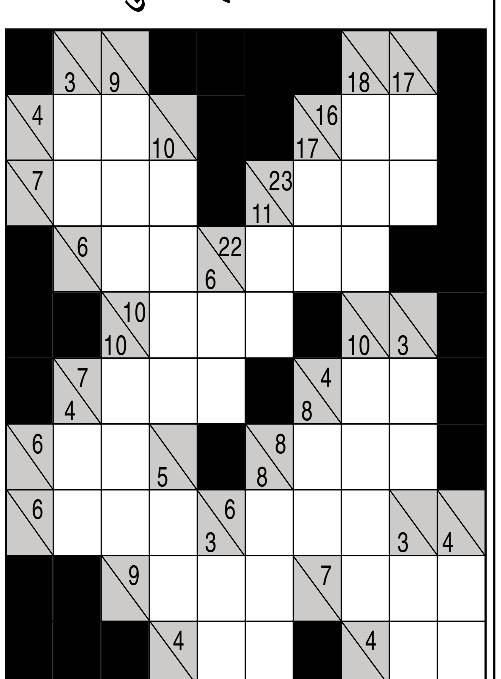

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

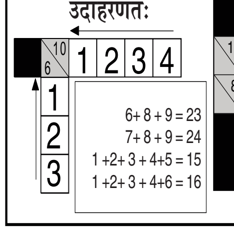

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -5016 का हल

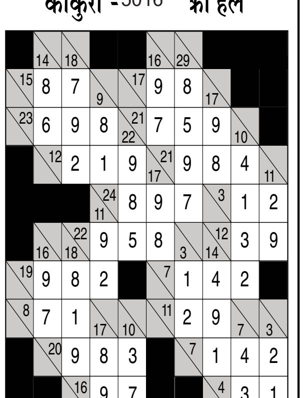

लॉफिंग ज़ोन

बड़े लंबे अरसे बाद दो पुराने पड़ोसी दोस्त मिले। एक-दूसरे का हालचाल पूछने पर मालूम हुआ कि दोनों शादी कर चुके हैं।

पहला उत्सुकतावश बोला- कैसी है तुम्हारी पत्नी?

दूसरे ने चहककर बताया- मेरी पत्नी का क्या कहना यार! वो तो स्वर्ग की अप्सरा है अप्सरा...!

पहला मायूस होकर दबे स्वर में बोला- खुशकिस्मत हो भाई! मेरी तो अभी जिंदा है....।

□ □ □

बहुत दिनों के बाद पुराने मित्रों का मिलन हुआ। रमेश ने पूछा- तुम्हारी उस प्रेमिका का क्या हुआ, जिसके तुम बहुत बड़े आशिक हुआ करते थे, उस जमाने में।

नरेश- कुछ खास नहीं! उसकी माँग इतनी बड़ी थी कि मुझे उससे रिश्ता तोड़ना पड़ा।

रमेश- अच्छा! लेकिन तुम्हारी प्रेमिका की माँग क्या थी?

नरेश- तुमसे शादी करने की।

□ □ □

एक बच्चाा तालाब में डूब रहा था। सभी देख रहे थे। किसी में हिम्मत न थी कि बच्चो को बचा लाए। तभी एक साहब ने छलांग लगा दी और बच्चो को बचा लिया। दर्शकों में से एक बोला - बडी हिम्मत की आपने ।

वह व्यक्ति बोला - हिम्मत की ऐसी-तैसी, पहले यह बताओ, मुझे धक्का किसने दिया था ?

फिल्म वर्ग पहेली- 5017

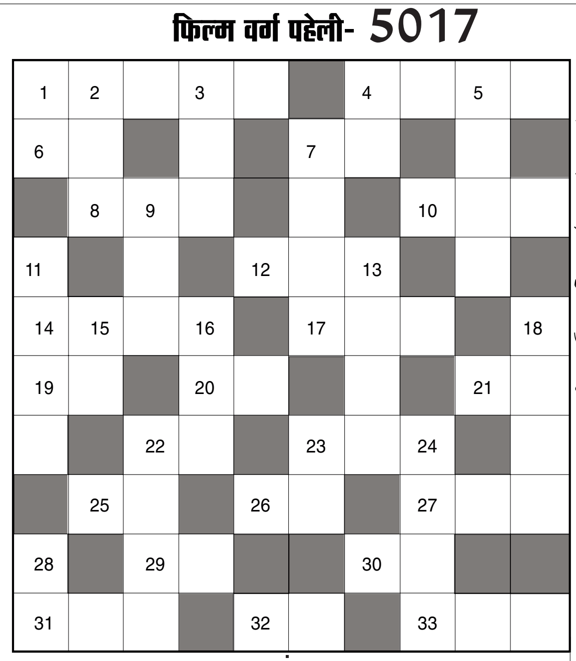

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5016

5017

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

5016

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 5017

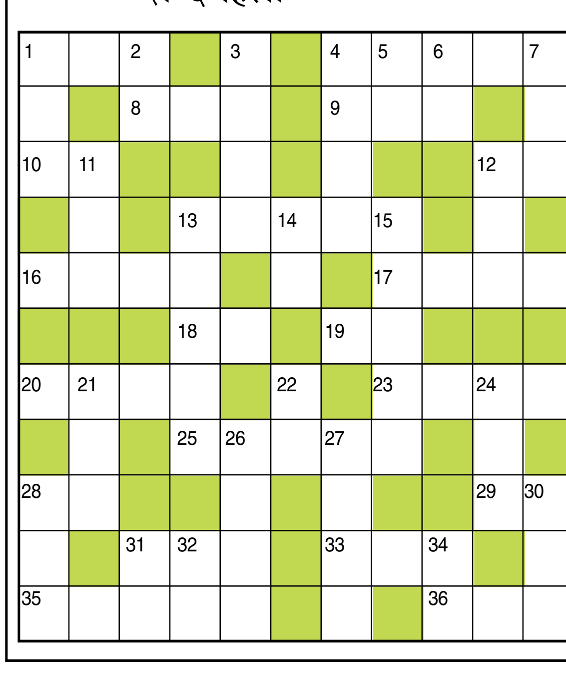

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -5016 का हल

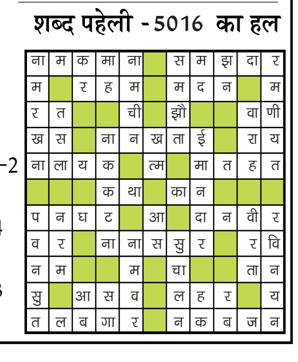

मुख्यमंत्री विजय पर विवादित टिप्पणी के आरोप में डीएमके विधायक गिरफ्तार

एजेंसी

तूतीकोरिन (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के विलाथिकुलम से डीएमके विधायकमार्कंडेयनको आज तड़के पुलिस ने नाटकीय ढंग से गिरफ्तार कर लिया । उनकी गिरफ्तारी तूतीकोरिन के कोविलपट्टी में डीएमके की आमसभा में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ की गई विवादित टिप्पणी के संदर्भ में की गई है। डीएमके विधायक मार्कंडेयन की गिरफ्तारी से डीएमके सकते में है। कुछ दिन पहले कोविलपट्टी के पास डीएमके की ओर से मतदाताओं को धन्यवाद देने के लिए एक आमसभा आयोजित की गई थी। इस सभा में डीएमके के आर. एस. भारती, पूर्वमंत्री तथा वर्तमान विधायक सहित कई नेता शामिल हुए थे। कहा जा रहा है कि इस आमसभा में मंच से मार्कंडेयन ने मुख्यमंत्री विजय के बारे में धमकी भरे लहजे में कुछ विवादित शब्दों का प्रयोग किया। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि, 'भ्रष्टाचार का पूरा स्वरूप तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं। ' विधायक की इस टिप्पणी से तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया। इसके बाद टीवीके के तूतीकोरिन जिला पदाधिकारियों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मार्कंडेयन के विरुद्ध मानहानि और धमकी देने की शिकायत दर्ज कराई।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने श्री हरिमंदिर साहिब में टेका माथा

अमृतसर। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान अमृतसर स्थित सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब पहुंचे। उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर देश-दुनिया की खुशहाली और सरबत के भले के लिए अरदास की। इस दौरान उन्होंने सम्मान स्वरूप पगड़ी भी सजाई। मीडिया से बातचीत करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब आने पर उन्हें हमेशा विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा और मानसिक शांति का अनुभव होता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में सकारात्मक शक्ति तथा सही दिशा की पहले से अधिक आवश्यकता है। इसी कामना के साथ वह गुरु घर में अरदास करने पहुंचे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि उनके पिता और लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान उनके आदर्श तथा राजनीतिक प्रेरणास्रोत हैं। पार्टी उनके बताए मार्ग पर चलते हुए देशभर में अपने संगठन का विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में भी पार्टी नई सोच, विकास और जनहित के मुद्दों के साथ लोगों के बीच जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब को लंबे समय से उसका अपेक्षित अधिकार और विकास का हिस्सा नहीं मिल पाया। कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों की सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरीं।

मुख्यमंत्री ने बागमती-बूढ़ी गंडक नदी जोड़ परियोजना लिंक चैनल का किया लोकार्पण

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शिवहर जिले के पिपराही प्रखंड के बेलवा में आयोजित समारोह में बागमती-बूढ़ी गंडक नदी जोड़ परियोजना के तहत बेलवा (शिवहर)-मीनापुर (मुजफ्फरपुर) लिंक चैनल (बेलवाधार) का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को साकार करने के उद्देश्य से नदी जोड़ परियोजनाओं की परिकल्पना की गई थी और आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार में इन महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। इससे राज्य में समेकित जल संसाधन प्रबंधन को नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेलवा-मीनापुर लिंक चैनल बागमती नदी के अतिरिक्त जल को बूढ़ी गंडक नदी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। इसके संचालन से बाढ़ के दौरान अतिरिक्त जल का बेहतर प्रबंधन संभव होगा, जिससे बाढ़ की तीव्रता कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि लगभग 68.80 किलोमीटर लंबी इस लिंक चैनल परियोजना का निर्माण 130.88 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। यह परियोजना बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इससे क्षेत्र के लाखों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मप्र के पन्ना में 'चिता आंदोलन' पर पुलिस की कार्रवाई, 300 आंदोलनकारी हिरासत में

भोपाल/पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में चल रहे सिंचाई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार और पुनर्वास के मुद्दों को लेकर 'चिता आंदोलन' के 17वें दिन रविवार तड़के पुलिस ने आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमित भटनागर सहित लगभग 300 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। दरअसल, प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट और अन्य सिंचाई परियोजनाओं के विरोध में बीते 16 दिनों से चिता आंदोलन चल रहा है। आज 17वें दिन पन्ना और छतरपुर जिले की सीमा पर कुपी गांव के पास बनाला नदी पर निर्माणाधीन पुल के निकट चल रहे चिता आंदोलन के मंच को रविवार तड़के पुलिस और प्रशासन ने घेर लिया। सुबह करीब 5 बजे भारी पुलिस बल ने पूरे आंदोलन स्थल की घेराबंदी कर दी और वहां सो रहे प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया। आंदोलनकारियों का दावा है कि पुलिस ने बर्बरतापूर्वक कार्रवाई करते हुए 250 से 300 लोगों को हिरासत में लेकर गाड़ियों में भर लिया। बताया गया कि पिछले 14 दिनों से बिना अन्न-जल के आमरण अनशन पर बैठे अमित भटनागर की हालत बिगड़ने के कारण पुलिस उन्हें मेडिकल जांच के लिए अपने साथ ले गई, लेकिन उन्हें किस अस्पताल या स्थान पर रखा गया है। फिलहाल इसकी जानकारी प्रशासन ने नहीं दी है। आंदोलन से जुड़ीं विजावर नगर परिषद की पार्षद और एलएलबी की छात्रा दिव्या अहिरवार ने एक वीडियो संदेश जारी कर पुलिस कार्रवाई पर कड़े सवाल खड़े किए हैं।

कोलकाता में कानून-व्यवस्था की समीक्षा

अमित शाह ने महिला सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने के दिए निर्देश

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में पश्चिम बंगाल की कानून-व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, राज्य के मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल, केंद्रीय गृह मंत्रालय और पश्चिम बंगाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान महिला सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा, पुलिस आधुनिकीकरण, साइबर सुरक्षा और सीमा क्षेत्रों की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में अमित शाह ने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए राज्य में 'महिला आउटरीच कार्यक्रम' शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से ग्रामीण महिलाओं के साथ नियमित संवाद स्थापित कर उन्हें जागरूक और सशक्त बनाने को कहा। साथ ही स्पष्ट किया कि

इस संबंध में किसी भी सहायता के लिए राज्य सरकार सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क कर सकती है।आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से राज्य में विशेष जांच एजेंसी (एसआईए) के गठन की दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया। यह एजेंसी एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड और राष्ट्रीय जांच एजेंसी की तर्ज पर कार्य करेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पश्चिम बंगाल से जुड़े सभी आतंकवाद और गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए) के मामलों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा गहन समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा सीमावर्ती इलाकों में सरकारी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए गए। गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल पुलिस के आधुनिकीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए पर्याप्त बजटीय सहायता देने का आश्वासन दिया। उन्होंने पुलिस बल के कैडर की समीक्षा कर राष्ट्रीय औसत के अनुरूप संख्या बढ़ाने, पुलिस जिलों का तर्कसंगत पुनर्गठन, सभी रिक्त पदों पर समयबद्ध भर्ती, प्रशिक्षण व्यवस्था की समीक्षा और नागरिक स्वयंसेवकों पर निर्भरता कम कर कांस्टेबलों की भर्ती को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

पूर्ण राज्य के दर्जा की मांग को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जंतर -मंतर पर किया प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने सोमवार को पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व में जंतर -मंतर पर पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद पत्रकारों से बातचीत में फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हम आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को उनके संसद, जम्मू-कश्मीर की जनता और उच्चतम न्यायालय को किए गए वादे को याद दिलाने के लिए इकट्ठा हुए हैं। हम अपने राज्य को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाए जाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। हम उन्हें उनकी प्रतिबद्धता याद दिलाने के लिए यहां आए हैं। उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग कर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। वहीं उपमुख्यमंत्री और पार्टी नेता सुरेंद्र चौधरी ने कहा कि यह हमारे लिए बहुत दुर्भाग्य की बात है कि हमें दिल्ली

जाकर प्रदर्शन करनी पड़ रही है। गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य का दर्जा वापस किए जाने का वादा किया था आज राज्य में सरकार बने 2 साल हो गए हैं।

उप्र के मुजफ्फरनगर में मकान ढहने से पिता और चार बच्चों की मौत

एजेंसी

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना के हबीबपुर गांव में रात बारिश के दौरान एक मकान भरभराकर ढह गया। उसके मलबे में दबकर घर के मुखिया और उसके चार बच्चों की मौत हो गई। जबकि दो बच्चियों को घायल अवस्था में इलाज के लिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी पर रात में ही जिले के तमाम अधिकारियों ने मौका मुआयना किया और तेजी से राहत कार्य कराया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने बताया कि हबीबपुर गांव निवासी इस्लामुद्दीन (58)खाना खाने के बाद आराम कर रहे थे। उनके पास ही बेटियां रुखसार (10 साल), रुकईया (8 साल), समईया (7 साल), अलसीबा (4 साल) और बेटे अहद (5 साल) व जीशान (1 साल) मौजूद थे। जबकि पत्नी दो बच्चों को लेकर पड़ोस में गई थी। इसी बीच अचानक मकान की छत भरभराकर ढह गई और गृहस्वामी एवं बच्चे सभी मलबे के नीचे दब गए। ग्राम प्रधान ने बताया कि मजदूर इस्लामुद्दीन का घर मिट्टी के गारे से बना हुआ था। रविवार की रात बारिश के कारण छत गिरी और पूरा परिवार मलबे में दब गया। मोहल्ले के लोगों ने पुलिस की मदद से

घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने घर के मुखिया और उनके चार बच्चों रुखसार, आहद, अलसीबा और जीशान को मृत घोषित कर दिया। जबकि रुकैया और सुमैया गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद कौशल विकास राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल, कमिश्नर रुपेश कुमार, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, एसएसपी संजय वर्मा, सीओ फुगाना नरेंद्र यादव, सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। मंत्री अग्रवाल ने बताया कि परिवार को हरसंभव सहायता दी जाएगी। उन्होंने डॉक्टरों से हादसे में घायल बच्चों के डॉक्टरों को बेहतर से बेहतर उपचार के निर्देश दिए हैं। इस तरह का घटनाक्रम दोबारा न हो, इसके लिए भी मंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिये हैं।

राजौरी-पुंछ में बरसात का कहर, बाढ़

एजेंसी

जम्मू। जम्मू संभाग के पुंछ और राजौरी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से आठ लोगों की मौत हुई है और लगभग 12 व्यक्ति लापता हैं। लगातार दूसरे दिन इनकी तलाश की जा रही है। भारी बरिश और खराब मौसम को देखते हुए आज दूसरे दिन भी श्री अमरनाथ यात्रा व मां वैष्णोदेवी यात्रा को रोक दिया गया है। बाढ़ से घरों, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, मवेशियों और कृषि भूमि को भारी नुकसान पहुंचा है। पुंछ जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पड़ोसी जिले राजौरी में भी काफी नुकसान हुआ है।

अधिकारियों ने बताया है कि बाढ़ से जम्मू संभाग में 145 रिहायशी मकानों को नुकसान पहुंचा है। इनमें से 93 मकान पुंछ में, 42 राजौरी में, आठ रियासी में और एक-एक मकान किश्तवाड़ और रामबन में क्षतिग्रस्त हुए हैं। पुंछ में 17 स्कूलों, 24 पारंपरिक पनचक्कियों और तीन दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है, जबकि कई इलाकों में बीएसएनएल और एयरटेल की मोबाइल सेवाएं बाधित रहीं। राजौरी में भी भारी तबाही हुई जहां बेला बस स्टैंड और चिल्ड्रन्स पार्क का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा बह गया। एक स्कूल और 56 वाहनों को भी नुकसान पहुंचा है साथ ही लगभग 300 घरों

में पीने के पानी की आपूर्ति बाधित हुई है। वहीं, किश्तवाड़ की छत्रू तहसील में बटवान नाले में अचानक आई बाढ़ से एक जामा मस्जिद, एक मदरसा भवन और एक दुकान को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचा है। कुल 127 कनाल कृषि भूमि प्रभावित हुई है जिसमें पुंछ में 92 कनाल और राजौरी में 35 कनाल भूमि शामिल है। एसडीआरएफ, पुलिस, नागरिक प्रशासन और अन्य एजेंसियों की बचाव टीमें लापता लोगों की तलाश कर रही हैं और साथ ही नुकसान का आकलन कर आवश्यक सेवाओं को बहाल करने का काम भी कर रही हैं। चेनानी-नाशरी सुरंग के उत्तरी प्रवेश द्वार के पास भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग की एक सुरंग अवरुद्ध हुई है । भारी बारिश के कारण चोबू नाले में अचानक बाढ़ और भूस्खलन से उधमपुर-पंचेरी और कैंथगली-मौंगरी सड़कें अवरुद्ध हो गईं। उपराज्यपाल बाढ़ प्रभावित जिलों की स्थिति पर नजर रख रहे हैं और बचाव कार्य युद्ध स्तर शुरू किया गया है। खराब मौसम को देखते हुए एहतियात के तौर पर अमरनाथ यात्रा व मां वैष्णों देवी यात्रा को आज दूसरे दिन भी स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट रहने और बचाव, राहत और बहाली के काम तेज़ी से करने के निर्देश दिए हैं।

युवाओं को अपने करियर बनाने के साथ देश के बारे में भी सोचना चाहिए: निखिल खडसे

एजेंसी

लखनऊ। केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने लखनऊ में कहा कि युवाओं को अपने करियर के निर्माण के साथ-साथ देश को आगे बढ़ाने के बारे में भी सोचना चाहिए। वह युवा कार्यक्रम विभाग, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित क्षेत्रीय चिंतन शिविर को संबोधित कर रही थीं। विकसित युवा बनाएगा विकसित भारत विषय पर आयोजित क्षेत्रीय चिंतन शिविर के सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें प्रेरित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी युवा अधिकारियों की है। उन्होंने कहा, आप जमीनी स्तर पर कार्य करते हैं, इसलिए चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझते हैं, सही प्रश्न पूछते हैं और व्यावहारिक समाधान खोजते हैं। यही प्रतिबद्धता प्रत्येक

प्रस्तुति में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। उन्होंने क्षेत्रीय अधिकारियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। वे भारत का भविष्य लिखेंगे और आप सभी के पास युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनने का अवसर है।

युवा कार्यक्रम विभाग के संयुक्त सचिव शिव रतन ने कहा कि विभिन्न मंत्रालयों की माय भारत के साथ साझेदारी में बढ़ती रुचि इस मंच के युवा सहभागिता और राष्ट्र निर्माण के एक महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में उभरने का प्रमाण है। उन्होंने कहा, हर राज्य की अपनी चुनौतियाँ होती हैं और प्रत्येक चुनौती के लिए राज्य-विशिष्ट समाधान आवश्यक है।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए माय भारत की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ प्रियंका शुक्ला ने अधिकारियों को युवा सहभागिता के लिए नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। समापन सत्र के दौरान उत्तर प्रदेश को माय भारत पंजीकरण की सर्वाधिक संख्या के आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य के रूप में सम्मानित किया गया, जबकि दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव केंद्र शासित प्रदेश को अपनी युवा जनसंख्या के अनुपात में सर्वाधिक पंजीकरण प्रतिशत प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

बारिश का कहर, चारधाम यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी वर्षा से जोखिम बढ़ गया है। मौसम विज्ञान केंद्र की चेतावनी और चारधाम यात्रा मार्ग के विभिन्न हिस्सों में भूस्खलन को देखते हुए प्रशासन ने सोमवार को एहतियातन चारधाम यात्रा का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया । यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया। इस बीच मौसम एवं विज्ञान विभाग ने राज्य के कई जिलों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा की चेतावनी जारी कर लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा मार्ग पर मौजूद तीर्थयात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया जाए तथा मार्ग पूरी तरह सुरक्षित होने के बाद ही आगे की यात्रा की अनुमति दी जाए। उन्होंने मीडिया और अन्य संचार माध्यमों से तीर्थयात्रियों तथा आम लोगों तक समय पर प्रमाणिक जानकारी पहुंचाने के भी

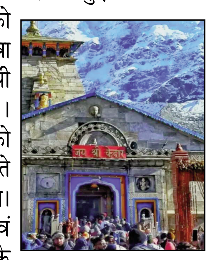

निर्देश दिए हैं, ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो। प्रशासन का कहना है कि यह निर्णय मौजूदा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों और यात्रा मार्गों पर सुरक्षा संबंधी जोखिमों को देखते हुए एहतियाती उपाय के रूप में लिया गया है। मार्ग सुरक्षित होने और परिस्थितियां सामान्य होने के बाद चारधाम यात्रा का संचालन पुनः शुरू किया जाएगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने और संबंधित जिला प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

एएचआईडीएफ ऋण स्वीकृति के नाम पर रिश्वत मांगने वाला फर्जी अधिकारी सीबीआई के हत्थे चढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग, कृषि भवन का अधिकारी बनकर पशुपालन अवसंरचना विकास कोष (एएचआईडीएफ) के तहत ऋण स्वीकृत कराने के नाम पर रिश्वत मांगने वाले आरोपित प्रभु दयाल को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपित स्वयं को 'ऋषि गुप्ता' बताकर ऋण आवेदकों से आवेदन स्वीकृत कराने अथवा निरस्त होने से बचाने के नाम पर वसूली करता था। सीबीआई के अनुसार, इस मामले में 29 जून को देहरादून स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ता उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले की काशीपुर तहसील के लालपुर गांव का निवासी है और पोल्ट्री फार्म संचालित करता है। उसने उद्यमी मित्र (सिडबी) पोर्टल के माध्यम से एएचआईडीएफ योजना के तहत 22.50 लाख रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया था।शिकायत में आरोप लगाया गया कि खुद को पशुपालन एवं डेयरी विभाग का अधिकारी बताने वाले व्यक्ति ने ऋण स्वीकृत कराने के एवज में ऋण राशि का दो प्रतिशत, यानी 45 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायत के

सत्यापन के बाद सीबीआई ने 29 जून को जाल बिछाया। आरोपित ने शिकायतकर्ता को मोबाइल पर क्यूआर कोड भेजकर रिश्वत की पहली किस्त के रूप में पांच हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से मंगवाए।

क्यूआर कोड और बैंक खाते के आधार पर सीबीआई ने 30 जून को एक व्यक्ति को उसके घर से गिरफ्तार किया। हालांकि पूछताछ में स्पष्ट हुआ कि वह मुख्य आरोपित नहीं था। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ाया गया और फरार मुख्य आरोपित की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान पता चला कि मुख्य आरोपित के पास एएचआईडीएफ के ऋण आवेदनों और आवेदकों से संबंधित जानकारी उपलब्ध थी। वह प्रतिदिन बड़ी संख्या में आवेदकों को फोन कर ऋण स्वीकृत कराने, आवेदन में त्रुटियां दूर कराने अथवा आवेदन निरस्त होने से बचाने के नाम पर रिश्वत की मांग करता था। पहचान छिपाने के लिए वह अलग-अलग मोबाइल नंबरों का उपयोग करता था और यूपीआई के माध्यम से विभिन्न लोगों के बैंक खातों में रकम मंगवाकर उसे आगे अन्य खातों में स्थानांतरित कर देता था।

सीबीआई ने डिजिटल निगरानी, मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड, संदिग्ध बैंक खातों, आईपी एड्रेस के विश्लेषण तथा संबंधित अधिकारियों और ऋण आवेदकों से पूछताछ के आधार पर आरोपित की तलाश की। जांच में सामने आया कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए आगरा, जयपुर और दिल्ली सहित विभिन्न शहरों में लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।सीबीआई को आज ( ) सूचना मिली कि आरोपित आगरा जिले की फतेहाबाद तहसील के छोटा पूठा बिसराना गांव स्थित अपने घर पहुंचा है। इसके बाद सीबीआई की टीम ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके आवास की तलाशी में कई आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण सामग्री भी बरामद की गई है। सीबीआई ने बताया कि आरोपित को देहरादून की सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा। एजेंसी पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस फर्जीवाड़े में और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा सरकारी योजना के लाभार्थियों से किस स्तर तक अवैध वसूली की गई।

बिना सहमति बिल में सर्विस चार्ज जोड़ने पर सीसीपीए की 41 रेस्तरां के खिलाफ कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ताओं की अनुमति के बिना रेस्तरां के बिल में डिफॉल्ट रूप से सर्विस चार्ज जोड़ने के मामले में देशभर के 41 रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की है। यह कदम राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर उठाया गया है, जिनमें उपभोक्ताओं ने ऐसे बिल प्रस्तुत किए थे जिनमें उनकी सहमति के बिना सर्विस चार्ज जोड़ा गया था।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बताया कि सीसीपीए की जांच में यह पाया गया कि बिना सहमति सर्विस चार्ज जोड़ना उपभोक्ताओं के अधिकारों का उल्लंघन है। यह होटल एवं रेस्तरां में सर्विस चार्ज वसूली से संबंधित सीसीपीए के दिशा-निर्देशों तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार की श्रेणी में आता है। प्राधिकरण ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 28 मार्च 2025 के अपने फैसले में सीसीपीए के दिशा-निर्देशों को वैध ठहराते हुए

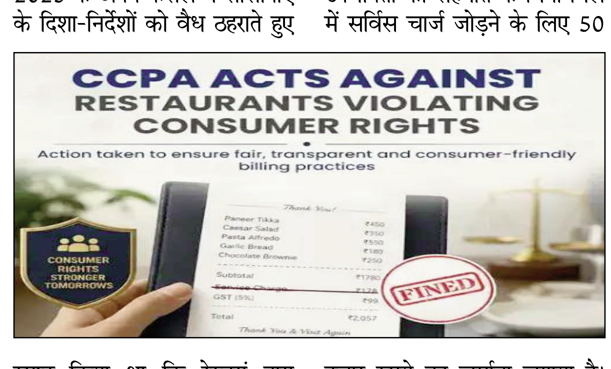

स्पष्ट किया था कि रेस्तरां द्वारा अनिवार्य रूप से सर्विस चार्ज वसूलना कानून के अनुरूप नहीं है। अदालत ने सभी होटल और रेस्तरां को इन दिशा-निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया था और सीसीपीए को इनके अनुपालन की निगरानी तथा आवश्यक कार्रवाई करने का अधिकार भी दिया था। सीसीपीए ने एक मामले में चायोस (सनशाइन टीहाउस प्राइवेट लिमिटेड) पर उपभोक्ता की सहमति के बिना बिल में सर्विस चार्ज जोड़ने के लिए 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही कंपनी को संबंधित उपभोक्ता से वसूली गई राशि वापस करने और अपने सभी आउटलेट्स की बिलिंग प्रणाली में आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया गया है, ताकि भविष्य में बिल में स्वतः सर्विस चार्ज या इसी प्रकार का कोई अन्य शुल्क न जोड़ा जाए। इसके अलावा प्राधिकरण ने कैफे ब्लू बॉटल (पटना), चाइना गेट रेस्तरां प्राइवेट लिमिटेड, फिएस्टा बारबेक्यू नेशन, एफओओ अहमदाबाद, एल'ओपेरा फ्रेंच बेकरी प्राइवेट लिमिटेड और जोरो-द लक्जरी नाइट क्लब सहित कई अन्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ भी अंतिम आदेश जारी किए हैं। अन्य शिकायतों की जांच अभी जारी है। सीसीपीए ने दोहराया कि उसके दिशा-निर्देशों के अनुसार कोई भी होटल या रेस्तरां उपभोक्ता के बिल में स्वतः सर्विस चार्ज नहीं जोड़ सकता। किसी अन्य नाम से भी इसकी वसूली नहीं की जा सकती। सर्विस चार्ज पूरी तरह स्वैच्छिक है और उपभोक्ता को इसे देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। यदि कोई उपभोक्ता सर्विस चार्ज देने से इनकार करता है तो उसे सेवा देने से मना नहीं किया जा सकता और न ही उसके प्रवेश पर कोई रोक लगाई जा सकती है।

पेरुमाल मुरुगन को मिलेगा मानबहादुर सिंह लहक सम्मान, 01 नवंबर को नमक्कल में होगा सम्मान समारोह

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिल के प्रख्यात साहित्यकार पेरुमाल मुरुगन को इस वर्ष मानबहादुर सिंह लहक सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय भाषा एकता मंच के बैनर तले आयोजित होने वाला यह सम्मान समारोह 01 नवंबर को तमिलनाडु के नमक्कल जिले में आयोजित किया जाएगा, जो पेरुमाल मुरुगन का गृह जिला भी है। भारतीय भाषा एकता मंच ने कहा कि पेरुमाल मुरुगन समकालीन भारतीय साहित्य के उन विरल रचनाकारों में हैं, जिन्होंने तमिल भाषा, ग्रामीण जीवन और सामाजिक यथार्थ को अपनी रचनाओं का केंद्र बनाया। उनकी लेखनी केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि समाज के हाशिये पर खड़े लोगों की आवाज है। वे बाजारवाद और उत्तर-आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति के दौर में भी अपनी भाषा, लोकजीवन और सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं।मंच के अनुसार, मुरुगन का लेखन उन परंपराओं और सामाजिक रूढ़ियों के विरुद्ध प्रतिरोध दर्ज करता है, जो मनुष्य की स्वतंत्रता और गरिमा में बाधा बनती हैं। उनकी रचनाएं समाज में संवाद, संवेदना और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करती हैं। मंच ने बताया कि यह सम्मान साहित्यकार मानबहादुर सिंह की स्मृति में दिया जाता है, जिन्होंने अपने लेखन के माध्यम से नैतिकता, ईमानदारी और सामाजिक न्याय के पक्ष में लगातार संघर्ष किया। उन्होंने लेखकीय दायित्वों से कभी समझौता नहीं किया और सामाजिक मूल्यों की रक्षा के लिए आजीवन प्रतिबद्ध रहे। इसी वैचारिक परंपरा को आगे बढ़ाने वाले रचनाकार के रूप में पेरुमाल मुरुगन का चयन किया गया है। भारतीय भाषा एकता मंच का मानना है कि भारत की भाषाई विविधता को जोड़ना समय की आवश्यकता है। मंच विभिन्न भारतीय भाषाओं के साहित्य और रचनाकारों के बीच संवाद स्थापित करने तथा पारस्परिक समझ विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहा है। पेरुमाल मुरुगन की चर्चित कृतियों में 'माधोरुबागन', 'पूक्कुझि' और 'अर्धनारी' प्रमुख हैं। उनकी रचनाओं में ग्रामीण समाज, जातिगत भेदभाव, लैंगिक असमानता, सामाजिक परंपराओं और मानवीय संघर्षों का अत्यंत संवेदनशील चित्रण मिलता है। उनकी भाषा सरल, सहज और जीवन के अनुभवों से गहराई से जुड़ी हुई मानी जाती है। वर्ष 2015 में उपन्यास 'माधोरुबागन' को लेकर विवाद के बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से लेखक पेरुमाल मुरुगन मर गया है जैसी टिप्पणी की थी, लेकिन बाद में उन्होंने पुनः लेखन शुरू किया और पहले से अधिक सशक्त रचनाओं के साथ साहित्य जगत में लौटे। आज उन्हें भारतीय भाषाओं के सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली लेखकों में गिना जाता है।

रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रोहित शर्मा के भविष्य पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी

कुलदीप यादव को न खिलाने पर पिच का बनाया बहाना

नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे 27 रनो से गंवाकर 1-2 से सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा के भविष्य और कुलदीप यादव को न खिलाने को लेकर सवाल पर जवाब दिया। गिल ने कहा कि रोहित शर्मा से इस बारे में कोई बात नहीं हुई है कि लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। कुलदीप न खिलाने के लिए पिच का बहाना बनाया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान मे रखते हुए चयनकर्ताओं ने 39 साल के रोहित को बताया है कि इंग्लैंड सीरीज उनकी आखिरी सीरीज होगी। हालांकि, रोहित या चयनकर्ताओ की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले दो वनडे में दो खराब पारियां खेलने के बाद रविवार को रोहित ने 138 रन बनाए, लेकिन टीम हार गई।

संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

नई दिल्ली। भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला- फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़ेबोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।

आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

टूट गए लियोन मेसी

स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांढस

नई दिल्ली (एजेंसी) मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी- एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी-बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रूख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

ढांढस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांढस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्डन बूट

- स्पेन के गोलकीपर के नाम गोल्डन ग्लव्स, ये है FIF वर्ल्ड कप की अवार्ड लिस्ट

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 10 गोल और 8 असिस्ट करके फ्रांस किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे नंबर के लिए प्लेऑफ मुकाबले में 2 गोल करके अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को पछाड़ा था। स्पेन के खिलाफ फाइनल में मेसी गोल या असिस्ट नहीं कर पाए। ऐसे में एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार उन्हें पछाड़कर गोल्डन बूट अपने नाम किया।

एम्बाप्पे ने कतर में भी 7 गोल करके यह इनाम जीता था, जो मेसी से एक ज्यादा था। अर्जेंटीना के हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करने वाली स्पेन टीम के खिलाड़ियों ने कई पुरस्कार जीते। गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बार गोल होने दिया। उन्होंने गोल्डन ग्लव्स जीता, जबकि मिडफील्डर रोड्री को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया और उन्हें गोल्डन बॉल दी गई। डिफेंडर पाउ ??क्यूबार्सी को बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया।

स्पेन बना विश्व विजेता

फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुएंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए।

अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई

लिएंड्रो पारेडेस की एरिक गार्सिया और गेवी से भिड़ंत

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के बाद अर्जेंटीना और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस को मुकाबला खत्म होने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। अर्जेंटीना को रविवार (19 जुलाई) को स्पेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद पारेडेस को स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेवी के साथ हाथापाई करते देखा गया। पारेडेस ने दोनों का गला पकड़ लिया था। लड़ाई की वजह साफ नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो में रेफरी के फाइनल व्हिसल बजाने के कुछ सेकंड बाद गार्सिया को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। फिर वह उठे और पारेडेस से उनकी तीखी बहस हुई है। पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पर हाथ रखा और धक्का दे दिया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी फाइनल व्हिसल बजने के ठीक बाद एक स्पैनिश सब्स्टीट्यूट के पेट में घूंसा मारा।

स्पेन ने अर्जेंटीना का सपना तोड़ा

स्पेन ने अर्जेंटीना को 1962 के बाद अपना वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से रोक दिया। स्पेन पूरे मैच में हावी था। आखिरकार वह अपने 20वें शॉट पर विनिंग गोल करने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना गोल के लिए एक भी शॉट नहीं ले पाई। इसके बावजूद मैच फुल टाइम तक 0-0 रहा। बार्सिलोना के फेरान टोरेस ने आखिरकार 106वें मिनट में गोल किया जो स्पेन के लिए विनिंग गोल साबित हुआ।

कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर कीकू शारदा का बड़ा खुलासा

कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

कुब्रा सैत ने अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय, स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में रखा कदम

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक: नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।

कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है।

कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

मां बनने को लेकर बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।' सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

अक्षय की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

23 जुलाई को रिलीज होगी 'जन नायकन' थलापति विजय ने शेयर किया पोस्टर

साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनोमाघरों में रिलीज होगी।फिल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। 'जन नायकन' में थलपति विजय, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलपाति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ''मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है।' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ''मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ''सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

वीर को एक्टर बनने से मना किया था

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड्रो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

इंटरव्यू की खास बातें

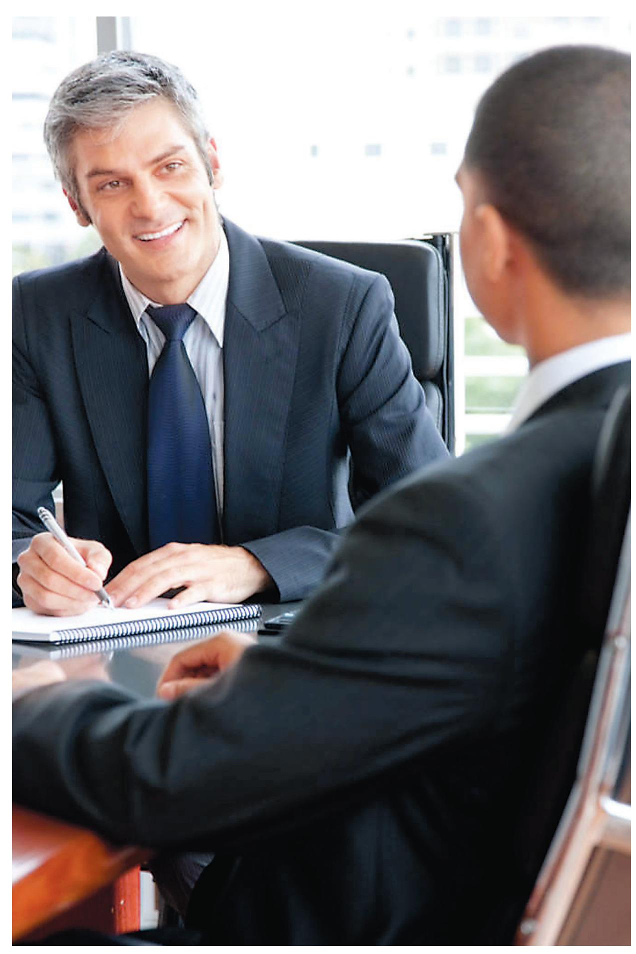

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका

होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।